Ranchi • Saturday, 21 June 2025 • Year : 03 • Issue : 156 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

विश्व योग दिवस आज

परमात्मा की शाश्वत और अखंड ज्योति के साथ अपनी ज्योति को मिला देना ही योग है। -रामकृष्ण परमहंस

Daily

# THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

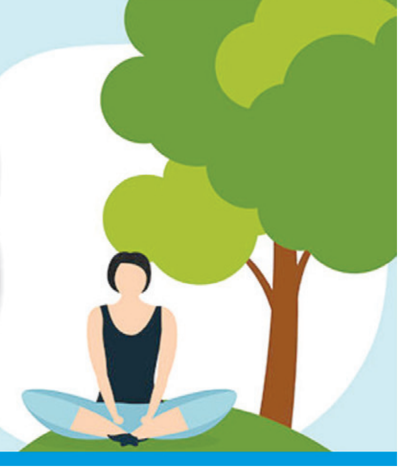

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 82,408.17 |
| निफ्टी | : | 25,112.40 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 9,390 |
| चांदी | : | 120.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### पीएम आज आंध्र प्रदेश में योग दिवस कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

**AMRAVATI :** शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश में विशाल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे जो बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम के आर के बीच से भोगापुरम तक 26 किलोमीटर लंबे गलियारे में आयोजित किया जाएगा और वहां तीन लाख से अधिक लोग एक साथ योग कर सकेंगे। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक निर्धारित इस कार्यक्रम को इस तरह से आयोजित किया जाएगा कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सहित कई रिकॉर्ड स्थापित हों।

### एयर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय समेत आठ उड़ानों को किया कैंसिल

**MUMBAI :** शुक्रवार को एयर इंडिया ने रख-रखाव और परिचालन संबंधी कारणों से चार अंतरराष्ट्रीय सहित आठ उड़ानों कैंसिल कर दिया। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचाने के लिए उसकी टीम वैकल्पिक व्यवस्था कर रही हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि उसने यात्रियों को टिकट रद्द कराने पर पूरा पैसा लौटाने या पूरक व्यवस्था की पेशकश भी की है। जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द किया गया है, उनमें दुबई से चेन्नई के लिए एआई 906, दिल्ली से मेलबर्न के लिए एआई 308, मेलबर्न से दिल्ली के लिए एआई 309 और दुबई से हैदराबाद के लिए एआई 2204 शामिल हैं।

### सुरक्षा बलों ने मणिपुर में सात उग्रवादियों को किया अरेस्ट

**IMPHAL :** सुरक्षा बलों ने मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तारियां दो दिनों में इंफाल पश्चिम, टेंग्नौपाल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों से की गईं। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दो कार्यकर्ताओं को इंफाल पश्चिम जिले के वांगोई बाजार से गिरफ्तार किया गया। केंद्रीय बलों ने प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (कोइरेंग) और प्रतिबंधित पीआरईपीएके (प्रो) के एक-एक सदस्य को टेंग्नौपाल जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया।

**बड़ा सवाल** आखिर राज्य में बनी पिछली चार सरकारों ने राजकमल पर क्यों जताया विश्वास

# विशेषज्ञों की राय : सरल स्वभाव और जन सरोकार से सरकार के भरोसेमंद बने अरवा

**प्रसंगवश**

**DR. BRAJESH MISHRA @ RANCHI :** झारखंड सरकार की ओर से जारी नई अधिसूचना के अनुसार, 2008 बैच के आईएएस अधिकारी अरवा राजकमल को सात अलग-अलग पदों का दायित्व दिया गया है। प्रशासनिक महकमे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर अरवा राजकमल पर सरकार इतनी मेहरबान क्यों है? झारखंड की नौकरशाही को नजदीक से जानने वाले पूर्व सूचना आयुक्त एवं वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र की मानें तो अरवा राजकमल जन सरोकार से ताल्लुक रखने वाले सहज और सरल स्वभाव के अधिकारी हैं। वह काम करने में विश्वास रखते हैं। यही कारण है कि राज्य में बनने वाली पिछली चार सरकारों के समय वह हमेशा सरकार के भरोसेमंद बने रहे। पिछली भाजपा सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पहले इन्हें देवघर का डीसी बनाया। उसके बाद पश्चिमी सिंहभूम का उपायुक्त बनाया गया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद बनी हेमंत सोरेन सरकार ने इन्हें सरायकेला- खरसावां का उपायुक्त बनाया। पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के कार्यकाल में वह मुख्यमंत्री के प्रभारी सचिव रहे। इसके अलावा इन्हें कुछ समय के लिए गृह सचिव का अहम दायित्व भी दिया गया। हेमंत सोरेन के दोबारा सत्ता में लौटने के बाद इन्हें एक बार फिर से सचिव के रूप कई अहम विभागों की जिम्मेदारी दी गई। राजकमल ने इन सभी दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया। अरवा राजकमल के विभाग से जुड़े कार्यों से सरकार को कभी कोई शिकायत नहीं रही। इसी कारण उनपर भरोसा बढ़ता गया।

» आईएएस की नौकरी प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई फिर भी व्यक्तित्व में कायम रही सहजता

» डीसी रहते चाईबासा की सड़कों पर लगाया झाड़ू, नाले में उतरकर कराई सफाई, आड़े नहीं आया पावर

### चाईबासा और सरायकेला की जनता से है सीधा रिश्ता

झारखंड के कोल्हान प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले दो जिलों में अरवा राजकमल ने बतौर उपायुक्त लंबे समय तक काम किया। इस कारण इन दोनों जिलों की जनता से इनका सीधा रिश्ता रहा। अरवा राजकमल मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। इन्होंने बीटेक की पढ़ाई की। 2008 बैच में आईएएस बनने के बाद इन्हें वर्ष 2013 में बोकारो का उपायुक्त बनाया गया। उसके बाद इन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में पढ़े होने के बावजूद बतौर उपायुक्त इन्हें चाईबासा की सड़कों पर झाड़ू लगाने और नाले में उतरकर सफाई कराने जैसे कार्यों से कभी कोई परहेज नहीं रहा। पश्चिमी सिंहभूम के सुदूर इलाकों तक विकास की किरण पहुंचाने में इनकी अहम भूमिका रही। ग्रामीण इलाकों के बच्चों तक किताबें पहुंचाने के लिए इन्होंने चलंत पुस्तकालय की भी शुरूआत कराई थी। इनके कार्यकाल में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए।

### कोरोना काल में घर-घर घूमकर बंटावाया राशन

कोरोना काल के दौरान बतौर उपायुक्त इन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में घूम-घूम कर लोगों के घर राशन बंटवाया। यही कारण रहा है कि चाहे सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष, कोल्हान प्रमंडल के तमाम निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से इनके बेहतर रिश्ते रहे हैं। लोगों की मदद करने के लिए कोरोना काल में वह अपने घर तक से दूर रहे। आपात परिस्थिति में एक-एक हफ्ते बाद अपने माता-पिता से मिल पाते थे।

## कैबिनेट की बैठक में 26 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

# जेएसएससी परीक्षा के नियमों में हुआ बदलाव

**PHOTON NEWS RANCHI :** शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में 26 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसमें जेएसएससी की स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा में 50 हजार से अधिक अभ्यर्थियों की संख्या रहने पर अब प्राथमिक और मुख्य परीक्षा होगी। वहीं 50 हजार से कम आवेदन रहने पर दो स्तरीय परीक्षा नहीं होगी। एक अन्य प्रस्ताव में झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए झारखंड आकस्मिकता निधि से 31 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। खूंटी में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत एक महिला कॉलेज की स्थापना को मंजूरी दी गई। इस पर 97 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ में डिग्री कॉलेज के लिए 38 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

**रांची से नया सराय तक फोर लेन सड़क :** सड़क निर्माण को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। रांची के अरगोड़ा से नयासराय तक फोर लेन सड़क के निर्माण के लिए 141 करोड़ और शहीद मैदान से हाईकोर्ट होते हुए रिंग रोड तक छह लेन सड़क के लिए 301 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इसके अलावा बरवाडीह पथ के लिए 114 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।

### 50 हजार से अधिक आवेदन होने पर दो चरणों में होगा एग्जाम

» रांची यूनिवर्सिटी के अंतर्गत खुलेगा एक महिला कॉलेज

» सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ में डिग्री कॉलेज के लिए 38 करोड़ रुपये स्वीकृत

» शहीद मैदान से हाईकोर्ट होते हुए रिंग रोड तक छह लेन सड़क के लिए 301 करोड़ मंजूर

» झारखंड राज्य चिकित्सा परिषद की संशोधित नियमावली को दी गई स्वीकृति

### 58 नए पदों का सृजन

स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुधार के तहत दुमका और पलामू में डिप्लोमा राजकीय फामेर्सी संस्थानों के लिए 58 नए पदों का सृजन किया गया। झारखंड राज्य चिकित्सा परिषद की संशोधित नियमावली को भी मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने स्वर्गीय उमेश कुमार सिंह के पुत्र को नौकरी में पदोन्नति और स्वर्गीय अमित कुमार के सेवा संपुष्ट को स्वीकृति दी। साथ ही कुंदन कुमार की सेवा नियमित करने और गुरचरण सिंह सलूजा की बर्खास्तगी को यथावत रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई।

### हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड को हर वर्ष 3 करोड़

हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड को अब हर वर्ष 3 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त झारखंड राज्य आवास बोर्ड संशोधन विनियमावली, झारखंड राजकीयकृत विद्यालय नियमावली और पुलिस पदकों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। एनसीसी कैडेट्स को दैनिक भत्ते में वृद्धि, राजपत्रित अधिकारियों को मोबाइल के लिए 25 हजार रुपये की स्वीकृति और ताज होटल निर्माण योजना में आंशिक बदलाव भी किया गया।

### सीएम ने भारी बारिश के मद्देनजर अलर्ट मोड में रहने का दिया निर्देश

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ संवाद किया। इस दौरान राज्य में हो रहे भारी बारिश को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों से कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या से आम जनमानस को निजात दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। इसके अलावा उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि लोकल अथॉरिटीज के साथ समन्वय स्थापित कर जल जमाव की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने का प्रयास करें। मौके पर मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के उपायुक्त उपस्थित रहे।

### भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे : राहुल

**NEW DELHI :** शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि लोग सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। राहुल ने यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के एक कथित बयान के एक दिन बाद की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं,जंजीरें तोड़ने का औजार है। राहुल गांधी ने कहा, आज की दुनिया में, अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है, जितनी आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी, आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिवान में जनसभा को किया संबोधित, कहा-

# राजद-कांग्रेस के जंगल राज को बिहार के लोगों ने किया खत्म

**SIWAN @ PTI :** शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने सिवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर उनके शासन के दौरान बिहार को गरीबी व अराजकता की ओर धकेलने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के लोगों ने कांग्रेस-राजद द्वारा पैदा किए गए जंगल राज को खत्म कर दिया है। मोदी ने बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए राजद की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य के लोग दलितों के आदर्श का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। मोदी ने कहा, बिहार से श्रमिकों के बड़े पैमाने पर पलायन और राज्य में दशकों से व्याप्त गरीबी के लिए राजद और कांग्रेस जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद-कांग्रेस का शासन मॉडल लोगों की जरूरतों को नजरअंदाज कर अपने परिवारों को समृद्ध करने पर केंद्रित है।

» पलायन और दशकों से व्याप्त गरीबी के लिए पूर्व की सरकार जिम्मेदार

» कांग्रेस के लाइसेंस राज के दौरान उनके नेता अमीर हो गए, लेकिन जनता बनी रही गरीब

» पीएम ने एनडीए और नीतीश कुमार को दिया विकास का श्रेय

### जनता को व्यक्त करना चाहिए नरेंद्र मोदी का आभार : नीतीश

कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति जनगणना की घोषणा के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और राज्य के लोगों से भी ऐसा करने का आग्रह किया। कुमार ने कहा, जाति जनगणना का आदेश देना एक बड़ी बात है। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं।

### पीएम ने 5900 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

प्रधानमंत्री मोदी ने ने बिहार के सिवान जिले में 5900 करोड़ रुपये से अधिक की 28 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मोदी ने 400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित नयी वैशाली-देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन किया और इस मार्ग पर एक नयी ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके अतिरिक्त, मोदी ने उत्तर बिहार में संपर्क सुविधा को बेहतर बनाने के लिए मुजफ्फरपुर और बेतिया के रास्ते पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया - मेक फॉर द वर्ल्ड को आगे बढ़ाते हुए मरहोरा संयंत्र में निर्मित अत्याधुनिक लोकोमोटिव को भी हरी झंडी दिखाई। इस लोकोमोटिव को गिनी गणराज्य को निर्यात किया जाना है। यह लोकोमोटिव उच्च-हॉर्सपावर इंजन, उन्नत एसी प्रणोदन प्रणाली, माइक्रोप्रोसेसर-आधारित नियंत्रण प्रणाली एवं एगोनीमिक कैब डिजाइन से लैस है और इसमें पुनर्योजी ब्रेक जैसी तकनीक शामिल हैं।

### दृष्टिबाधित बच्चों का शुभकामना गीत सुन भावुक हुईं द्रौपदी मुर्मु

**DEHRADOON @ PTI :** उत्तराखंड की तीन दिवसीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को दृष्टिबाधित बच्चों का शुभकामना गीत सुनकर भावुक हो गईं। मुर्मु की आंखों में उस समय आंसू आ गए, जब दृष्टिबाधित बच्चों के एक समूह ने उनके 67वें जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए गीत गाया। यहां राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) के भ्रमण के दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जब उन्होंने इतना सुंदर गीत गाया तो वह भावुक हो गईं। राष्ट्रपति ने कहा, मेरी आंखों से तो पानी रोके नहीं रुका। मुझे लगता है कि वे गले से नहीं गा रहे थे, वे अपने हृदय से गा रहे थे। जैसे सरस्वती उनके गले में बैठकर गा रही थीं। उन्होंने कहा कि बच्चों के समूह की गायन प्रतिभा ने उनके इस विचार को पुष्ट किया कि दिव्यांगता के साथ पैदा होने वाले बच्चों में कुछ विशेष क्षमताएं होती हैं। राष्ट्रपति ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उनकी सफलता निश्चित है।

**जागरूकता की कमी** गुजरे 10 वर्षों में देश के सिर्फ एक तिहाई लोगों ने मनाया योग दिवस

# अब भी योग करने से अछूते हैं तीन में से दो भारतीय

**PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :** योग प्राचीन भारतीय परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के सबसे भरोसेमंद साधनों में से एक के रूप में उभरा है। योग शब्द संस्कृत के मूल शब्द 'युज' से लिया गया है, जिसका अर्थ है शामिल होना, जुड़ना या एकजुट होना। यह मन और शरीर की एकता, विचार और क्रिया, संयम और तृप्ति, मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य और स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतीक है। 21 जून को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु बनता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। भारत के इस प्रस्ताव को 90 दिनों के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो किसी प्रस्तावित दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ में पारित करने के लिए सबसे कम समय है।

### 11 प्रतिशत लोग नियमित रूप से और 13.4 फीसद कभी-कभी कर लेते हैं योग

» केंद्रीय आयुष मंत्रालय की ओर से हाल में ही जारी सर्वे रिपोर्ट में हुआ खुलासा

» पीएम के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में किया घोषित

» 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

» भारत के प्रस्ताव को 90 दिनों के अंदर संयुक्त राष्ट्र ने पूर्ण बहुमत से कर दिया पारित

**साल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने देश में की थी योग दिवस की शुरूआत**

### ग्रामीण इलाकों में योग करने वालों की संख्या बेहद कम

सर्वे में जब लोगों से नियमित योग के बारे में पूछा गया तब सिर्फ 11.2 प्रतिशत लोगों ने नियमित रूप से योग करने की जानकारी दी, जबकि 13.4 प्रतिशत लोगों ने कभी-कभार योगासन लगाने की बात को स्वीकारा। चौंकाने वाली बात यह है कि 75.5 प्रतिशत भारतीय योग से अब भी दूर हैं। रोजाना योग करने वालों में सर्वाधिक 12.6 प्रतिशत शहरी लोग हैं।

### स्वस्थ जीवन की असली कुंजी

स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग पर जोर दिया जाता है। स्वस्थ जीवन की असली कुंजी योग ही है, लेकिन बीते 10 सालों में भारत के सिर्फ एक तिहाई लोगों ने ही योग दिवस में हिस्सा लिया। यानी 2014 से 2024 के बीच तीन में से दो भारतीय अब भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से अछूते हैं। यह खुलासा एक सरकारी सर्वे में हुआ, जिसे चंद दिन पहले केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने जारी किया है। सर्वे में सामने आया है कि बीते दस वर्षों में सिर्फ 33.4 प्रतिशत लोगों ने ही किसी योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया है, जबकि 66.6 प्रतिशत इससे दूर रहे हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में 30 हजार से भी ज्यादा लोगों पर आधारित इस सर्वे में पता चला कि सरकार जिस कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) को हर साल प्रचारित करती है, उसे जानने वालों की संख्या भी कम है।

# गढ़वा के नगर उंटारी में 168 करोड़ की लागत से बनेगा 100 बेड का अस्पताल

**PHOTON NEWS RANCHI :** स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव की मांग पर गढ़वा के नगर उंटारी को 168 करोड़ रुपए की लागत से बने 100 बेड के अस्पताल और ट्रामा सेंटर को मंजूरी दे दी है। मंत्री ने बकायदा शुक्रवार को नेपाल हाउस में अस्पताल और ट्रामा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की।

इससे पहले भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव ने नेपाल हाउस सचिवालय पहुंचकर मंत्री अंसारी से शिष्टाचार भेंट की। नगर उंटारी क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र सौंपा। फिर इरफान अंसारी ने तत्काल जनहित को सर्वोपरि मानते हुए नगर ऊंटारी में अस्पताल और ट्रॉमा केंद्र खोलने की अपनी स्वीकृति दे दी।

मंत्री ने कहा हमारी सरकार का उद्देश्य यह है कि राज्य के हर नागरिक को उसके द्वार पर ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। नए अस्पताल और ट्रामा सेंटर के तहत विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, अत्याधुनिक मशीनें और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं शामिल होंगी। यह परियोजना नगर उंटारी के अलावा भवनाथपुर, रमकंडा, चंद्रपुरा और आसपास के हजारों लोगों को लाभ पहुंचाएगी। मौके पर विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि यह सिर्फ एक अस्पताल नहीं, बल्कि जनमानस के लिए जीवन रेखा होगी।

# सोनाली सुसाइड कांड में आईजी ने एसआई को किया निलंबित

## बोकारो आईजी पहुंचे रामगढ़, मामले की जांच के बाद की कार्रवाई

- सौरभ सिंह सुसाइड मामले की इंक्वायरी का भी किया जाएगा अवलोकन

**AGENCY RAMGARH :** रामगढ़ थाना क्षेत्र के रांची रोड इंदिरा कॉलोनी में सुसाइड करने वाली युवती सोनाली सिंह के मामले में पुलिस ने पहली कार्रवाई की है। बोकारो आईजी क्रांति कुमार गड़िदेशी शुक्रवार को रामगढ़ पहुंचे और इस पूरे मामले की जांच की। सबसे पहले उन्होंने सब इंस्पेक्टर ओंकार पाल को निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी। इससे पहले भी सौरभ सिंह के सुसाइड मामले में किस तरह की जांच हुई है, उसका भी पूरा अवलोकन किया जाएगा।

सोनाली की फाइल फोटो

### सुसाइड नोट पर भी पुलिस कर रही गंभीरता से विचार

बोकारो आईजी क्रांति कुमार गड़िदेशी ने बताया कि सोनाली ने उस वक्त आत्महत्या की जब उसके घर में कोई नहीं था। बुधवार की शाम उसके माता-पिता बाजार गए थे। इसी दौरान उसने पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी। उसके कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिस पर पुलिस गंभीरता पूर्वक विचार कर रही है।

### पिता का दावा- शिक्षित और समझदार थी बेटी

सोनाली के पिता विमल सिंह ने बताया कि उनकी बेटी शिक्षित और समझदार थी। वह बीएसई जियोलॉजी ऑनर्स के बाद बीएड कर चुकी थी और सेंट एंस स्कूल रामगढ़ में साइंस की टीचर थी। उन्होंने बताया कि उनके मुहल्ले का युवक सौरभ सिंह उसे लंबे समय से ब्लैकमेल कर रहा था। उसकी शिकायत महिला थाना में की गई थी, लेकिन केवल दोनों से बॉन्ड भरवाकर मामले को बंद कर दिया गया।

## भाभी को धमकाने वाला देवर हथियार और गोली के साथ धराया

**GARHWA :** गढवा जिले की रमना थाने की पुलिस ने कृष्णा राम नामक युवक को अवैध देशी कट्टा और दो जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया है। गुरुवार को रमना थाने के बिवाटीकर गांव की ममता देवी पति सुरेंद्र राम ने पुलिस को फोन कर सूचना दी कि कृष्णा राम उसे गाली गलौज कर रहा है और देशी कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दे रहा है। रमना थाना प्रभारी आकाश कुमार ने पुलिस बल के साथ बिवाटीकर गये। इस बीच एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे सशस्त्र बल ने पकड़ लिया। पकड़े गये युवक की पहचान कृष्णा राम के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा के साथ दो जिन्दा गोली को जब्त किया गया। नगर उंटारी के एसडीपीओ सत्येन्द्र नारायण सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कृष्णा राम आवेदक ममता देवी का देवर है। कृष्णा राम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रेसवार्ता में एसडीपीओ के साथ रमना थाना के थाना प्रभारी आकाश कुमार, सअनि मनोज कुमार मंडल मौजूद थे।

मामले की जानकारी देते एसपी अनुदीप सिंह • फोटोन न्यूज

## कोडरमा घाटी में 80 लाख के सोने की लूट के मामले में 5 आरोपी अरेस्ट

**KODERMA :** कोडरमा पुलिस ने घाटी में 80 लाख का सोना लूट मामले का खुलासा करते हुए लूटे गए सोना को बरामद कर इस कांड में शामिल पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में शामिल रजौली बिहार निवासी अमन कुमार (21), सोनु कुमार (23), नितीश कुमार (26), मो. कासिम (26) टिंकू कुमार (30) को गिरफ्तार किया गया। घटना को अंजाम देने के लिए प्रयुक्त किए गये एक सफेद रंग की अर्टिगा कार, एक सफेद रंग की महिंद्रा एक्सयूवी कार को जब्त किया गया है। इधर पकड़ाये गए व्यक्तियो की जब बारी-बारी से तलाशी ली गई तो मो. कासीम उर्फ गोरे के पास से 673.7 ग्राम वजन के सोने का बिस्किट (करीब 70 लाख) को बरामद किया गया। कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि कोडरमा थाना क्षेत्र के रांची-पटना रोड स्थित कोडरमा घाटी में बीते 15 जून को बिहार के एक व्यक्ति से लगभग 80 लाख रुपए के सोना लूट का मामले हुआ था। उन्होंने बताया कि सारण (बिहार) के रहने वाले दीपक गुप्ता नामक एक व्यक्ति जो 15 जून को कोलकाता से लगभग 800 ग्राम सोना लेकर जा अपने घर बिहार जा रहे थे। इसी बीच कोडरमा घाटी में उनकी गाड़ी खराब हो गई और कुछ अपराधियों की ओर से उनके सोने जिसकी कीमत लगभग 80 लाख रुपए थे उसे लूट कर ले भागे। इसके पश्चात कोडरमा थाना में उनके ओर से दिए गए आवेदन के आलोक में मामला दर्ज किया गया। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके बाद झारखंड और बिहार के अलग-अलग जगहों पर पुलिस की ओर से छापेमारी शुरू कर दी गई। इसी क्रम में झारखंड एवं बिहार राज्य के सीमा क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा घाटी, रतनपुर मोड के पास से भाग रहें एक संदिग्ध वाहन का छापेमारी दल की ओर से पीछा कर वाहन को रोका गया। इसके बाद उक्त वाहन में सवार व्यक्तियो को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ किया गया।

### BRIEF NEWS

## विधायक के प्रयास से दो ग्रामीणों को मिली नई जिंदगी

**KHUNTI :** तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया के प्रयास ओर एनडीआर टीम के साहस से रनिया थाना क्षेत्र के कोटांगेर गांव के दो लागों को नई जिंदगी मिली। समय रहते यदि विधायक ओर एनडीआरएफ की टीम सक्रिय नहीं होती तो दो लोगों का कोयल नदी की तेज धार में बहना तय था। हुआ यूं कि कोटांगेर गाव के बिरसा लोहरा और बिरसा आईंद बुधवार की सुबह लगभग नौ बजे मछली मारने कोयल नदी गये थे, लेकिन भारी बारिश के कारण नदी में बाढ़ आ गई और दोनों व्यक्ति नदी के तेज धार में फंस गये। पानी कम होने की आशा में दोनों नदी के बीच एक चट्टान पर बैठे रहे, लेकिन पानी का बहाव घटने के वजाय बढ़ता ही रहा। जब इसकी सूचना गांव वालों के माध्यम से विधायक सुदीप गुड़िया को मिली, तो उन्होंने तुरंत एनडीआरएफ की टीम को मामले की जानकारी दी और घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया। विधायक भारी बारिश के बावजूद पीड़ित परिवारों से मिले और उन्हें ढाढ़स बंधाया। जैसे ही गुरुवार को एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची, लोगों में उम्मीद की किरण जग उठी।

## हथियार के बल पर शराब दुकान से साढ़े पांच लाख रुपये की लूट

### बाइक पर सवार होकर आए थे चार लुटेरे, फायरिंग भी की

**PHOTON NEWS BOKARO :** हथियार के बल पर पेटरवार स्थित विदेशी शराब दुकान से लगभग 5.5 लाख रुपये लूट की घटना को गुरुवार देर रात अंजाम दिया गया है। लूट के क्रम में लुटेरों के द्वारा दो फायरिंग भी की गई। लुटेरे दो बाइक पर सवार होकर आए थे। लुटेरों की संख्या चार बताई जा रही है। घटना को अंजाम देने के बाद चारों लुटेरे तेनुघाट की ओर भाग निकले, वहीं दुकान में तीन स्टाफ आनन्द भूषण, साकेत कुमार सिंह और विष्णु प्रसाद मौजूद थे। वहीं आनन्द भूषण ने बताया की एक स्टाफ बाथरूम करने के लिये बाहर निकला और बाथरूम के बाद दुकान के अंदर आ रहा था। इसी दौरान लुटेरे स्टाफ को धक्का देते हुऐ दुकान में प्रवेश किये और पहले मोबाईल छीन लिये और तीन लुटेरे हमलोगों को मार पीट करने लगे और एक पैसा खोजने लगा। पैसे मिलने के बाद ,पैसा लेकर जाते जाते फायरिंग किया लेकिन वह काउंटर में लगा। उसके बाद इसकी सूचना पेटरवार थाना को दिया गया। सूचना मिलते ही पेटवार थाना प्रभारी राजू मुंडा अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल कर आगे कारवाई मे जुट गया और कारतूस के खोखे को अपने साथ ले गई। साथ की काउंटर से बही खाता भी ले गई है। पीड़ित सेल्समैन द्वारा थाने में लिखित शिकायत दी गई है, जिसके आधार पर जांच जारी है।

घटना के बाद पहुंची पुलिस व जानकारी देते दुकानदार • फोटोन न्यूज

## आलोक ने ग्रहण किया खूंटी डीडीसी का पदभार

**KHUNTI :** भारतीय प्रशासनिक सेवा कें अधिकारी आलोक कुमार ने शुक्रवार को खूंटी जिले के 23वें उप विकास आयुक्त (डीडीसी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम से समाहरणालय कक्ष में कार्यभार प्राप्त किया। पदभार ग्रहण के बाद उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने अधिकारियों और कर्मियों से मुलाकात की तथा विभिन्न विभागीय कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत चल रही विकासात्मक योजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही जिले के सर्वांगीण विकास के लिए तत्परता से कार्य करने तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही। पदभार ग्रहण के दौरान जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

## अवैध हथियार व शराब फैक्ट्री का खुलासा, सामग्री बरामद

छापेमारी करती कोलकाता एसटीएफ की टीम • फोटोन न्यूज

**BOKARO :** कोलकाता एसटीएफ, रांची एटीएस और बोकारो पुलिस के संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध निर्माण कर रहे गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। टीम ने हथियार निर्माण का मटेरियल बरामद किया है। पुलिस टीम ने जरीडीह बाजार के कलाली रोड स्थित कावेरी मैरिज पैलेस एवं उसके सामने स्थित गोदाम में गुरुवार रात को छापेमारी की। मैरेज हॉल और गोदाम सूरज साव का बताया जाता है। उक्त काम मैरेज पैलेस के आड़ में रिहायशी इलाके में चल रहा था। इस दौरान वहां नामी गिरामी अंग्रेजी ब्रांड कंपनी का अवैध शराब का भी निर्माण किया जाता था जो की भारी मात्रा में छापेमारी के दौरान बरामद हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार हथियार निर्माण के बाद बंगाल होते हुए हथियार बांग्लादेश भेजा जाता था। जांच में पता चला है कि यहां गन फैक्ट्री बहुत दिनों से चल रहा था। कोलकाता एसटीएफ को पूर्व से जानकारी मिल रही थी कि यहां गन फैक्ट्री संचालित हो रहा है। पिछले दिनों धनबाद के महुदा से भी कोलकाता एसटीएफ की सूचना पर एक गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया था।

## जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर कसेगा शिकंजा, गड़बड़ी पर रहेगी उड़नदस्ते की नजर

**PHOTON NEWS HAZARIBAG :** जिले में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों में खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी की आशंकाओं को देखते हुए हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने एक बड़ा कदम उठाया है।

उन्होंने वितरण व्यवस्था की जांच के लिए एक विशेष उड़नदस्ता दल का गठन किया है। यह दल जिले की सभी जन वितरण प्रणाली की दुकानों की नियमित रूप से जांच करेगा। उपायुक्त के निर्देशानुसार गठित इस उड़नदस्ता दल में जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।

इस टीम को पीडीएस दुकानों की स्थिति, वहां मौजूद ई-पॉश मशीन, वजन मशीन, रखरखाव किए जा रहे रजिस्टर, खाद्यान्न का स्टॉक और वितरण प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का निरीक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच दल न केवल दुकानों का निरीक्षण करेगा, बल्कि राशन लेने वाले लाभार्थियों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुनेगा। इससे वितरण प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों और अनियमितताओं की जानकारी मिल सकेगी। यह विशेष टीम राज्य खाद्य निगम के गोदामों का भी निरीक्षण करेगी।

### अनियमितता पाए जाने पर होगी सख्त कार्रवाई

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित दुकानदार, गृहस्थ अथवा जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत सभी पात्र लाभार्थियों को मानकों के अनुरूप नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना है।

## उप विकास आयुक्त रवि जैन ने संभाला पदभार

**KODERMA :** समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को नव पदस्थापित उप विकास आयुक्त रवि जैन ने अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। उन्हें यह पदभार उपायुक्त सह उप विकास आयुक्त ऋतुराज द्वारा औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने श्री जैन को उनके नवीन दायित्वों के निर्वहन हेतु शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और दक्षता के साथ जिले के समग्र विकास को नई दिशा प्रदान करेंगे। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुर्णेंदु सहित अन्य वरीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## किसान से लाखों की ठगी करने वाले दो साइबर ठगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**PHOTON NEWS LATEHAR :** लातेहार पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो ऐसे साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने एक किसान को ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए थे। गिरफ्तार किए गए अपराधियों की पहचान कांग्रेस कुमार और सनाउल अंसारी के रूप में हुई है, दोनों ही मोहनपुर के रहने वाले हैं।

शुक्रवार को प्रेस वार्ता में मुख्यालय डीएसपी संजीव मिश्रा ने इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लातेहार के एक किसान, इंद्र मुनि उरांव ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उन्हें सूखा राहत के तहत ट्रैक्टर दिलाने का झांसा देकर ऑनलाइन माध्यम से 2 लाख 37 हजार रुपये ले लिए। पैसे लेने के बाद से ही उन ठगों ने अपना फोन उठाना बंद कर दिया और किसान को कोई जवाब नहीं दिया। साइबर थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि जिस मोबाइल नंबर से किसान को फोन किया गया था, उसका लोकेशन देवघर के मोहनपुर के एक गांव में मिल रहा है। लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए देवघर में छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने सटीक लोकेशन पर दबिश देकर दोनों अपराधियों को धर दबोचा। पूछताछ और जांच के दौरान पुलिस को अपराधियों द्वारा किए गए अन्य साइबर अपराधों के भी सबूत मिले हैं।

मामले की जानकारी देते डीएसपी संजीव मिश्रा • फोटोन न्यूज

## राज्यपाल से की आदिवासी भूमि के अवैध हस्तांतरण पर रोक लगाने की मांग

**GHATSILA :** भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष लखन मार्डी ने शुक्रवार को झारखंड राजभवन में महामहिम राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। लखन मार्डी ने बताया कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट), 1908 का घोर उल्लंघन कर राज्य में आदिवासी भूमि के अवैध हस्तांतरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि इस पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी अधिनियम, 2006 के तहत भूमि पट्टा वितरण में हो रही देरी को दूर किया जाए। पेसा अधिनियम, 1996 को उसकी मूल भावना के अनुरूप पूर्ण रूप से लागू किया जाए। ग्राम सभाओं को सशक्त किया जाए। लखन मार्डी ने यह भी बताया कि उन्होंने महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर कीताडीह में स्थित आदिवासी जाहेर स्थान (धार्मिक स्थल) को उजाड़ने के पूर्वी सिंहभूम प्रशासन के प्रयासों पर भी आपत्ति जताई और इसके संरक्षण हेतु हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने बताया दी कि मौजा कीताडीह, प्रखंड व अंचल घाटशिला, जिला पूर्वी सिंहभूम में वन विभाग खाता संख्या 314, प्लॉट संख्या 1318/1754, 1320, 1319, 1321, 1318/1755 तथा झारखंड सरकार खाता संख्या 315 पर स्थित भूमि को लेकर घाटशिला वन क्षेत्र (प्रादेशिक), जमशेदपुर वन प्रमंडल द्वारा पार्क निर्माण के नाम पर सिदो-कान्हू दिशोम जाहेर स्थान को उजाड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे रोकने की मांग की गई है। इसके साथ ही सिदो-कान्हू हुलगारिया डाही (फुटबॉल मैदान) को नष्ट होने से बचाने और वीर सिदो-कान्हू की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किए जाने के प्रयासों को भी तत्काल रोके जाने का आग्रह ज्ञापन में किया गया। इस दौरान पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा पूर्वी सिंहभूम के जिलाध्यक्ष भक्तु मार्डी, जिला महामंत्री चंद्र मोहन मांडी एवं समाजसेवी विक्रम किस्कू उपस्थित थे।

**जागरूकता अभियान** नशे के अवैध उत्पादन, भंडारण और तस्करी की कड़ी निगरानी के निर्देश

# हजारीबाग में मादक पदार्थों के खिलाफ निर्णायक जंग, डीसी ने की सभी विभागों के साथ बैठक

**PHOTON NEWS HAZARIBAG :** जिले में मादक पदार्थों के बढ़ते चलन को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में मादक द्रव्य से संबंधित जिला स्तरीय समिति और मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के कार्यान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में उपायुक्त ने मादक पदार्थों के खिलाफ विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में सभी संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों ने हिस्सा लिया और अभियान की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की।

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मादक द्रव्यों के अवैध उत्पादन, भंडारण, तस्करी और वितरण से जुड़ी हर गतिविधि पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी दल गठित करने और नियमित रूप से छापामारी अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने वाद-विवाद, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन, संगोष्ठी और प्राचार्य स्तरीय मार्गदर्शन सत्रों के माध्यम से छात्रों को नकारात्मक आदतों से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया गया कि नशा पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की जाए और उन्हें उचित उपचार, परामर्श और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। मनोपरामर्श केंद्रों को मजबूत करने, आवश्यक विशेषज्ञों की नियुक्ति करने और सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया। समाज कल्याण विभाग को समाज के विभिन्न वर्गों, खासकर महिला समूहों, युवाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं को इस अभियान में सक्रिय रूप से जोड़ने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में नशा मुक्ति से संबंधित गोष्ठियां आयोजित करने पर भी सहमति बनी। जनसंपर्क विभाग को इस अभियान के महत्व को देखते हुए जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया। नुक्कड़ नाटक, एलईडी वैन, रैली, पोस्टर-बैनर, ऑडियो-विजुअल प्रचार सामग्री और डिजिटल मीडिया के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने की योजना बनाई गई। उपायुक्त ने विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, कोचिंग सेंटरों और माइनिंग क्षेत्रों के आसपास नशा मुक्ति से संबंधित पोस्टर-बैनर लगवाने के भी निर्देश दिए।

## खिलाड़ियों को मिली नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी

### मादक पदार्थ विरोधी जागरूकता सेमिनार का खिलाड़ियों के लिए किया गया आयोजन

**HAZARIBAG :** जिला खेल विभाग, हजारीबाग की ओर से मादक पदार्थों के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को कर्जन स्टेडियम में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया।

इसमें विभिन्न खेल विधाओं से जुड़े लगभग 80 खिलाड़ियों ने सक्रिय हिस्सा लिया और नशे के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका को समझने का प्रयास किया।

सेमिनार के दौरान विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को मादक पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभाव, मानसिक और शारीरिक क्षमताओं में गिरावट तथा खेल करियर पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति को शारीरिक रूप से कमजोर बनाता है, बल्कि उसका आत्मबल और प्रतिस्पर्धात्मक ऊर्जा भी क्षीण कर देता है। कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी (डीएसओ) ने कहा, खिलाड़ी समाज में अनुकरणीय आदर्श होते हैं। यदि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें, तो यह अभियान जन-जन तक पहुंच सकता है। उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे अपने आस-पास के युवाओं को भी नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराएं और एक नशा मुक्त, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें। इस जागरूकता अभियान से खिलाड़ियों में नशा विरोधी संदेश को लेकर उत्साह देखने को मिला।

सेमिनार में मौजूद बच्चे • फोटोन न्यूज

# राजधानी में रथ यात्रा की तैयारियां शुरू, मेले में सजेंगी सैकड़ों दुकानें

**PHOTON NEWS RANCHI :** राजधानी रांची के धुर्वा में महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा हर वर्ष उसी भव्यता के साथ निकाली जाती है, जैसी ओडिशा के पुरी में। मुख्य आयोजन जगन्नाथपुर मंदिर में होता है, जो कि एक जीवित पर्वत नीलांचल पर स्थित है। इस पवित्र यात्रा को साल के आषाढ़ माह में निकाला जाता है। इसमें दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। महाप्रभु जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी मंदिर तक की यात्रा करते हैं। इस साल रथ यात्रा का आयोजन 27 जून को होगा, जबकि 6 जुलाई को महाप्रभु की वापसी यात्रा (घुरती रथ यात्रा) निकाली जाएगी।

रथ यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर परिसर का रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। मुख्य मंदिर के साथ ही मौसीबाड़ी में भी रथ यात्रा की तैयारियां चल रही हैं। इधर, मंदिर परिसर में लगने वाले भव्य रथ मेले को लेकर भी तैयारियां चल रही हैं। मेले के लिए दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। एक अनुमान के अनुसार मेले में लगभग 1500 से अधिक दुकानें सजेंगी।

- 27 जून को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र रथ पर सवार होकर जाएंगे मौसीबाड़ी
- भगवान जगन्नाथ के मुख्य मंदिर के साथ मौसीबाड़ी में भी तेजी से चल रहा काम
- जिला प्रशासन की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा का किया जा रहा व्यापक इंतजाम

### 10 एकड़ में लगेगा भव्य रथ मेला

लगभग 10 एकड़ से अधिक क्षेत्र में भव्य मेला लगेगा। इस मेले में बड़े-बड़े झूले, मीना बाजार, घरेलू सामान, मछली पकड़ने के जाल, विभिन्न वाद्य यंत्र, पारंपरिक मिठाई, खेती-बाड़ी के उपकरण, बच्चों के खिलौने, पालतू पक्षी और खरगोश तक की दुकानें सजती हैं। इसके अलावा मौत का कुआं जैसे और कई मनोरंजन के साधन भी लगाए जाते है।

### 300 वर्षों से एक परिवार कर रहा रथ का निर्माण

जिस भव्य रथ पर सवार होकर भगवान मौसीबाड़ी जाते हैं, उसका निर्माण पिछले तीन सौ वर्षों से भी अधिक समय से एक ही परिवार द्वारा किया जाता रहा है। यह परंपरा आज भी कायम है। रथ निर्माण करने वाला यह परिवार है लोहरा परिवार, जो मंदिर के सामने योगदा सत्संग मठ के समीप रहता है। इस वर्ष रथ निर्माण का कार्य महावीर लोहरा और उनके बेटे-पोते द्वारा किया जा रहा है। महावीर लोहरा बताते हैं कि यह कार्य उनके पूर्वजों के समय से चला आ रहा है और वे इस सेवा को श्रमदान और श्रद्धा का प्रतीक मानते हैं। उनका मानना है कि भगवान जगन्नाथ की सेवा करना, उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है।

### 25 जून तक तैयार होगा रथ

महावीर लोहरा ने बताया कि इस वर्ष रथ का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है और यह 25 जून तक पूर्ण हो जाएगा। इसके बाद 27 जून को विधिवत महापूजन और रथ यात्रा का आयोजन होगा, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु रांची सहित झारखंड के दूसरे जिलों से भी पहुंचेंगे।

### रथ यात्रा में उमड़ता है जनसैलाब

यह रथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक उत्सव भी बन चुका है। दस दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं। आसपास एक विशाल मेला लगता है जिसमें झारखंड के दूसरी जगहों ही नहीं, बल्कि अन्य राज्य से भी दुकानदार आते हैं। मिठाई, खिलौने, हस्तशिल्प, कपड़े और मनोरंजन के साधन, हर जरूरत की चीज यहां उपलब्ध होती है। यह मेला न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र होता है, बल्कि स्थानीय व्यवसायियों के लिए भी व्यवसाय का बड़ा अवसर बनता है।

### पौराणिक परंपरा आधुनिक उत्साह

जगन्नाथपुर की रथ यात्रा में आधुनिकता और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। जहां एक ओर रथ निर्माण की सदियों पुरानी विरासत को एक परिवार आज भी जीवंत रखे हुए है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा और व्यवस्थापन की दृष्टि से प्रशासन की आधुनिक तैयारियां भी नजर आती हैं। हर वर्ष रथ यात्रा को लेकर धमार्चार्यों, समाजसेवियों, स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के समन्वय से व्यापक इंतजाम किए जाते हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस तैनात होती है तो वहीं स्वास्थ्य शिविर और पेयजल की व्यवस्था भी की जाती है।

## BRIEF NEWS

### बेड़ो में दो गांवों के चार घरों में चोरी की घटना को दिया गया अंजाम

**RANCHI :** बेड़ो थाना क्षेत्र की जरिया पंचायत स्थित जरिया और टेंगरिया गांव गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने तीन अलग-अलग घरों में धावा बोलकर कुल सात खस्सी (बड़े बकरे) उड़ा लिए। अनुमानित 80 हजार रुपये से अधिक मूल्य बताया जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक वारदात में मारुति ओमनी वैन का इस्तेमाल किया गया। पहला मामला जरिया गांव के सुकरा उरांव का है। चोरों ने घर का ताला तोड़कर उनके चार मोटे खस्सी गाड़ी में लाद लिए। दूसरी घटना पास ही के कट्टरमाली टोला में कपिल कुमार महतो के यहां घटी, जहां एक खस्सी पर हाथ साफ किया गया। तीसरी वारदात नहरटोली गांव में रोशन लकड़ा के घरेलू। यहां से दो खस्सी गायब कर दिए गए। स्थानीय लोगों ने बेड़ो पुलिस से सघन गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द चोरों को गिरफ़्तार करने की मांग की है। थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

### बेड़ो में कुछ लोग सरना स्थल विवाद को जान-बूझकर दे रहे तूल : करमा उरांव

**RANCHI :** सरना स्थल महादानी मैदान को लेकर उपजे विवाद पर अब राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। शनिवार को बेड़ो स्थित विधायक कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में विधायक प्रतिनिधि प्रो. करमा उरांव ने कहा कि कुछ तथाकथित लोग इस मुद्दे को जानबूझकर तूल दे रहे हैं और समाज को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। उरांव ने कहा कि महादानी मैदान हजारों वर्षों पुराना स्थल है और 1.5 एकड़ जमीन सरना के नाम पर खातियान में दर्ज है। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने इस विषय पर सामाजिक कार्यकताओं और प्रशासन के साथ बैठक की थी।

बारिश के कारण अस्पताल परिसर में कुछ स्थानों पर भर गया है पानी

# पीएचईडी को करोड़ों का भुगतान, फिर भी डूब जाते हैं रिम्स के कई विभाग

**VIVEK SHARMA RANCHI :** राज्य का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल रिम्स इन दिनों जलजमाव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बारिश से अस्पताल के बेसमेंट और प्रमुख विभागों में पानी भर जा रहा है। इससे न केवल सामान्य कामकाज प्रभावित हो रहा है, बल्कि मरीजों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। विडंबना यह है कि रिम्स प्रबंधन हर साल जलापूर्ति एवं सफाई व्यवस्था के लिए पीएचईडी (लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग) को करोड़ों रुपये देता है, फिर भी जल निकासी की स्थिति दयनीय बनी हुई है। इतना ही नहीं, प्रबंधन भी इस मामले में केवल आईवॉश करने में लगा है। समय- समय पर विभाग को फटकार लगाकर सो जाता है। लेकिन, कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती।

**जलजमाव मरीजों के लिए बीमारी का घर :** बारिश के कारण अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर पानी भर गया है, जिससे आर्थो और आइसोलेशन वार्ड जैसे संवेदनशील विभागों में मरीज और उनके परिजन गंभीर परेशानियों से जूझ रहे हैं। बेसमेंट में जमे पानी के कारण इन वार्डों में सीलन, दुर्गंध और मच्छरों की भरमार हो चुकी है। मरीजों को संक्रमण, मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा अब और अधिक बढ़ गया है।

- वाटर लॉगिंग पर प्रबंधन केवल पीएचईडी को लगाता है फटकार, नहीं करता कार्रवाई
- ड्रेनेज के जमा पानी से मरीजों पर मंडरा रहा संक्रमण का खतरा
- कैंपस में मच्छरों और मक्खियों के पनपने का है पूरा इंतजाम

### हॉस्पिटल के बेसमेंट में चल रहे है ऑर्थो और आइसोलेशन वार्ड

अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में भरा पानी

### ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह फेल, पीएचईडी पर सवाल

रिम्स में जल निकासी की जिम्मेदारी सीधे तौर पर पीएचईडी की है। लेकिन, अस्पताल प्रशासन आग्रह करता है। नोटिस जारी करता है। कभी-कभी फटकार लगा लेता है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं होता है। सूत्रों के अनुसार, रिम्स प्रबंधन हर साल करोड़ों रुपये विभाग को भुगतान करता है, बावजूद इसके बरसात आते ही अस्पताल का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो जाता है। अस्पताल प्रबंधन की नाराजगी हर बार सिर्फ पीएचईडी तक सीमित रह जाती है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है।

अस्पताल के कैंपस में भरा ड्रेनेज का पानी

### स्वास्थ्य के नाम पर मजाक

हॉस्पिटल में ही अगर बीमारियों का खतरा बना रहे, तो यह पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है। मच्छरों और मक्खियों के पनपने के लिए जलजमाव एक आदर्श माहौल प्रदान कर रहा है। कीटनाशक का छिड़काव न होना, नियमित सफाई का अभाव और जल निकासी की समस्या मरीजों को कई अन्य बीमारियों की ओर धकेल रहा है। स्वास्थ्यकर्मी, डॉक्टर और मरीजों के परिजन तो यही कह रहे हैं कि केवल नोटिस और फटकार से कुछ नहीं होगा। अब समय आ गया है कि पीएचईडी की जवाबदेही तय की जाए और रिम्स जलजमाव की समस्या से स्थायी समाधान निकाले। इसके लिए बैकअप ड्रेनेज सिस्टम, संप टैंक क्लीनिंग और अत्याधुनिक जल निकासी प्रबंधन प्रणाली का भी इंतजाम प्रबंधन को करना होगा।

रांची की बदहाली पर बरसे केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, बोले-

# नगर निगम की निष्क्रियता से बनी राजधानी के डूबने की स्थिति

**PHOTON NEWS RANCHI :** केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रांची में पिछले दिनों बारिश से उत्पन्न जलजमाव की स्थिति के लिए नगर निगम को दोषी ठहराया और कहा कि अगर ब्यूरोक्रेट्स का सहयोग मिले तो वे एक साल में रांची को इंदौर से बेहतर शहर बना देंगे। उन्होंने कहा कि रांची एक पहाड़ी शहर है और इसके बावजूद शहर का जलमग्न होना बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की निष्क्रियता के कारण रांची के घर, दुकानें और सड़कों पर पानी भर गया। जिससे करोड़ों की संपत्ति बर्बाद हुई। इसके लिए उन्होंने नगर निगम चुनाव न होने को भी एक बड़ा कारण बताया। उनका कहना था कि अगर चुनाव होते, तो पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में जिम्मेदारी निभाते और जलजमाव जैसी स्थिति से निपटा जा सकता था।

**अतिक्रमण बढ़ा रहा समस्या**
उन्होंने कहा कि रांची में बड़े नालों पर अतिक्रमण और उनकी नियमित सफाई न होना भी समस्या को बढ़ा रहा है। जुडको पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों को खोदकर अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

**ग्रामीणों के साथ करेंगे योग**
इसके साथ ही सेठ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर पूरा देश 21 जून को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से लोग स्वस्थ जीवन जी रहे हैं और यह भारतीय संस्कृति का गौरव बन चुका है।

# पूर्व डीसी छवि रंजन की क्रिमिनल रिट पर हाईकोर्ट ने ईडी को दिया नोटिस

**PHOTON NEWS RANCHI :** जमीन घोटाले मामले में आरोपित रांची के पूर्व डीसी और निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन की क्रिमिनल रिट पर झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने ईडी को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में हुई। अदालत अब इस मामले में 18 जुलाई को सुनवाई करेगा। उल्लेखनीय है कि रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त आईएएस छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को आरोपित बनाया है। छवि रंजन ने अपनी याचिका में ट्रायल कोर्ट की ओर से लिए गए संज्ञान को भी चुनौती दी है। उनकी ओर से कहा गया है कि बिना अभियोजन स्वीकृति के उनके विरुद्ध ट्रायल चलाया जा रहा है, जो न्याय संगत नहीं है।

# अमूल ब्रांड की तरह झारखंड में भी एक बड़ा ब्रांड स्थापित करने की जरूरत : सुदिव्य कुमार

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड गो सेवा आयोग की ओर से पारिस्थिति की संतुलन एवं आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य में गो सेवा के क्षेत्र में उभरती चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला सह संगोष्ठी का शुक्रवार को पशुपालन भवन हटिया में समापन हुआ। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि सफेद क्रांति (मिल्क क्रांति) और अमूल ब्रांड वाले राज्य गुजरात से एक्सपर्ट झारखंड आये हैं। यहां भी अमूल के बराबर का ब्रांड खड़ा किया जा सके। तो खुशी होगी। उन्होंने सरकार द्वारा सब्सिडी का लाभ कृषकों को दिये जाने। और इसमें बिचौलिए तंत्र के हावी होने पर चिंता जताई। मंत्री ने कहा कि इस वर्कशॉप के जरिए खुशनुमा ढांचा तैयार होगा। यहां के बच्चों के कुपोषण को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ-साथ हम सब गाय को भी माता का दर्जा देते आये हैं। इन दोनों को ईश्वर का दर्जा देते हैं। इसलिए गौ सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करके खुशी हो रही है। उन्होंने गो पालन को रोजगार से जोड़ने की बात कही। कहा कि पहले गो पालन एक सामान्य विषय था पर अब इससे रोजगार को भी जोड़ना जरूरी है। मौके पर मंत्री ने अलग-अलग राज्यों से आये साइंटिस्ट्स को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया। सुबोधकांत सहाय ने कहा कि जब वे केंद्र में मनमोहन सिंह सरकार में फूड प्रोसेसिंग मंत्री थे, उस समय भी इस विभाग के जरिए डेयरी, गौरक्षा पर कार्य हुए थे।

# रांची नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने संभाला पदभार

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची नगर निगम के नवनियुक्त आयुक्त और आईएएस अधिकारी सुशांत गौरव ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान प्रशासक संदीप सिंह ने उन्हें नगर आयुक्त का कार्यभार सौंपा और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुशांत गौरव के नेतृत्व में नगर निगम का कामकाज और अधिक गति और पारदर्शिता से आगे बढ़ेगा। नये नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और कहा कि रांची शहर के समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था, जल निकासी, सड़क मरम्मत, ट्रैफिक प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में निगम पूरी सक्रियता से काम करेगा। पदभार ग्रहण समारोह के अवसर पर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, गौतम प्रसाद साहू, मुख्य अभियंता प्रवीण जयंत भेंगरा, नगर निवेशक, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सभी सहायक प्रशासक, कार्यपालक अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यालय अधीक्षक सहित कई अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

राजभवन में बंगाल स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन

# हमें भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए : राज्यपाल

**PHOTON NEWS RANCHI :** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि हमारा भारतवर्ष विविधताओं का देश है। यहां की भाषाएं, परंपराएं, संस्कृति और रीति-रिवाज अत्यंत समृद्ध हैं। हम सब एक सूत्र में बंधे हुए हैं, यही विविधता में एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यह पूरी दुनिया के सामने एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

राज्यपाल शुक्रवार को राज भवन में आयोजित बंगाल स्थापना दिवस समारोह में झारखंड में निवास कर रहे बंगालवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, बल्कि अन्य राज्यों की भाषा और संस्कृति का भी आदर करना चाहिए। इस दिशा में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आरंभ किया गया 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों के बीच एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि झारखंड और बंगाल, ये दो राज्य न केवल भौगोलिक रूप से जुड़े हैं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी एक-दूसरे के अत्यंत निकट हैं। झारखंड में रह रहे बंगाली समुदाय ने राज्य की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति में जो योगदान दिया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

राज्यपाल ने कहा कि बंगाल की भूमि सृजन, विचार और सांस्कृतिक चेतना की भूमि रही है। इस राज्य ने राष्ट्रीय निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया है। बंगाल पुनर्जागरण से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक इस भूमि ने ऐसे महान चिंतकों, लेखकों, कवियों और क्रांतिकारियों को जन्म दिया जिन्होंने हमारी राष्ट्रीय चेतना पर अमिट छाप छोड़ी। इस भूमि ने रवींद्रनाथ टैगोर, शरतचंद्र, बंकिमचंद्र जैसे साहित्य के स्तंभ दिए, जिनकी लेखनी ने विश्व स्तर पर भारतीय अस्मिता को पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि बंगाल ने समाज सुधार और स्वतंत्रता संग्राम के क्षेत्र में भी देश को नई दिशा दी। राजा राम मोहन राय ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध बिगुल फूंका, वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी के आंदोलन को अद्भुत साहस और दृढ़ संकल्प के साथ नई गति दी।

राजभवन में आयोजित बंगाल स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य • फोटोन न्यूज

# वक्फ संशोधन कानून 2025 के खिलाफ कल होगी जनसभा

**PHOTON NEWS RANCHI :** केंद्र सरकार द्वारा जबरन थोपे गए वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वावधान में जनसभा का आयोजन रविवार को संध्या 5:00 बजे, बरियातू पहाड़ी मैदान, रांची में होगी। यह जानकारी ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के सदस्य सह तहफ्फुज अवकाफ कान्फ्रेंस रांची के संयोजक डाक्टर मजीद आलम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी है। उन्होने कहा कि वक्फ कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रहा है। इसी कड़ी में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के बैनर तले रांची में सभा की जाएगी। सभा में बोर्ड के महासचिव मौलाना फजलुरेहीम मुजद्दीदी, प्रवक्ता डॉ कासिम रसूल इलियास, राज्यसभा सांसद मनोज झा, केथाना के सांसद चौधरी इकरा हसन, राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगडी, रामपुर सांसद मौलाना मोहिबुल नदवी, संबार के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद, कटिहार के सांसद तारिक अनवर, झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, राज्यसभा सांसद सरफराज, महुआ माजी शामिल होंगी।

# पूर्व सांसद ने शिल्पी नेहा तिर्की को भेंट की पुस्तक

**RANCHI :** कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से उनके आवासीय कार्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू ने शुक्रवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपनी पुस्तक झारखंड एक सिंहावलोकन भेंट की। बलमुचू ने मंत्री को बताया कि यह पुस्तक झारखंड राज्य गठन, झारखंड आंदोलन, झारखंड की संस्कृति, संपदा, वनझपर्यावरण के संरक्षण और औद्योगिक विकास का समाज पर असर सहित राज्य की वर्तमान राजनीतिक हालात पर केंद्रित है। पुस्तक में झारखंड के निर्माण से लेकर अब तक की यात्रा का जिक्र किया गया है। इस अवसर पर मंत्री ने बलमुचू को बधाई और शुभकामनाएं दी। मंत्री शिल्पी ने कहा कि झारखंड के हर वर्ग के लिए यह पुस्तक लाभप्रद साबित होगा।

# झामुमो नेता रामा पांडेय जिला बदर, 6 महीने तक प्रवेश पर रोक

## उपायुक्त चंदन कुमार के न्यायालय से जारी किया गया आदेश, मिली थीं शिकायतें

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने राज्य की सुरक्षा और लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुख्यात अपराधी और झामुमो नेता रामाशंकर पांडेय उर्फ रामा पांडेय को झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 के तहत जिला बदर कर दिया है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार के न्यायालय ने इस संबंध में आदेश जारी किया है, जिसके तहत रामा पांडेय को अगले छह महीने तक जिले में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि रामाशंकर पांडेय, जो मूल रूप से बिहार के बक्सर जिले के रहने वाले हैं और वर्तमान में पश्चिमी सिंहभूम के गुआ थाना क्षेत्र में रह रहे थे, जिले के अपराध जगत में पिछले एक दशक से भी अधिक समय से सक्रिय हैं। उनकी आपराधिक गतिविधियों और आतंक के कारण सदर थाना, मुफस्सिल थाना, गुवा थाना, मनोहरपुर थाना और चक्रधरपुर थाना क्षेत्रों में आम जनता, व्यापारी वर्ग और सरकारी प्रतिष्ठानों के बीच दहशत का माहौल है।

**छह थानों में 10 मामले दर्ज**

पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा की अनुशंसा के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। रामा पांडेय के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में हत्या सहित 6 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, और 10 अन्य मामलों में ठेकेदारों और व्यवसायियों को धमकाने तथा रंगदारी मांगने की शिकायतें दर्ज हैं।

### नक्सलियों से साठगांठ और रंगदारी का आरोप

रामा पांडेय पर वामपंथी नक्सलियों के साथ मिलकर नक्सली घटनाओं को अंजाम देने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों में लगे वाहन मालिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों को डरा-धमका कर रंगदारी मांगने का आरोप है। इसके अलावा, उन पर रंगदारी न देने पर काम बंद कराने की धमकी देने, अवैध हथियार रखने, मारपीट करने और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में भी शामिल होने का आरोप है।

रामाशंकर पांडेय

### भाजपा छोड़ थामा था झामुमो का दामन

गौरतलब है कि मजदूर नेता रामा पांडेय ने इसी साल 10 फरवरी को भाजपा छोड़कर झामुमो का दामन थामा था। उन्होंने मंत्री दीपक बिरुवा की अध्यक्षता में गुवा में आयोजित एक कार्यक्रम में झामुमो की सदस्यता ग्रहण की थी।

### आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

जिला दंडाधिकारी के आदेश के अनुसार, रामा पांडेय को आदेश जारी होने के 24 घंटे के भीतर जिले की सीमा छोड़नी होगी। छह महीने की अवधि समाप्त होने तक वह जिले में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। हालांकि, यदि न्यायालय में किसी मामले में उनकी पेशी आवश्यक होती है, तो वह सामान्य कार्यालय अवधि के दौरान स्थानीय थाने को सूचित करते हुए निर्धारित तिथि पर जिले में प्रवेश कर सकेंगे। उनके पास यदि कोई लाइसेंसी हथियार है, तो उन्हें तुरंत स्थानीय थाने में जमा कराना होगा और इस अवधि में किसी भी स्थिति में हथियार नहीं रखना होगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा और इसका उल्लंघन करने पर झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 की धारा 25 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दंडनीय होगा।

## समाचार सार

### 121 बीएलओ को मिला नजरी नक्शा का प्रशिक्षण

**GHATSILA :** अंचल कार्यालय सभागार में शुक्रवार को प्रखंड के बीएलओ के लिए एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षक सीआरपी विश्वजीत बारीक, कालीकृष्ण घोष एवं प्रकाश कुमार द्वारा प्रखंड के सभी 121 बीएलओ और सुपरवाइजर को मतदान केंद्रों का जिओ-फेंसिंग, मैपिंग तथा नजरी नक्शा तैयार करने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए सबसे बेहतर और कम दूरी वाले मार्गों के आधार पर ही नक्शा तैयार किया जाना है। सड़क की वर्तमान स्थिति के अनुसार ही बूथ तक की मैपिंग सुनिश्चित करनी है। यह कार्य 23 से 28 जुलाई के बीच पूरा कर लेने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण में ट्रेनर प्रकाश कुमार, कोऑर्डिनेटर सुनील हांसदा, सीआरपी विश्वजीत बारीक, कालिकृष्ण घोष, तमाल दे, बीआरपी संजीत दत्ता, पिनु सरकार, नसीमा बानो, अनीता सतपथी, आमीन सुरेश रजक, सरिता कुमारी, रानीबाला बेसरा, चपला नायक, रूबी मोदक आदि उपस्थित थे।

### अतिक्रमण हटाने में अलकतरा फैक्ट्री की दीवार टूटी

**JAMSHEDPUR :** पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र अंतर्गत मिजार्डीह में स्थित एसटीपी लिमिटेड (अलकतरा फैक्ट्री) पर शुक्रवार सुबह वन विभाग की बड़ी कार्रवाई हुई। अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत वन विभाग की टीम ने फैक्ट्री परिसर की बाउंड्री वॉल और एक गार्ड रूम को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। वन विभाग के अनुसार यह निर्माण कार्य वन भूमि पर अवैध रूप से किया गया था। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और स्थानीय पुलिस बल भी मौके पर मौजूद था। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी फैक्ट्री में बॉयलर विस्फोट के बाद जहरीली गैस का रिसाव हुआ था, जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई थी। इस घटना में कई लोग बीमार पड़ गए थे। स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया था और कहा था कि फैक्ट्री अत्यंत संवेदनशील (इको सेंसेटिव) जोन में अवैध रूप से संचालित हो रही है। घटना के बाद फैक्ट्री के अधिकारियों और संचालकों पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

### इंटरमीडिएट बचाओ समिति ने बनाई आंदोलन की रणनीति

**GHATSILA :** अंगीभूत कॉलेजों से इंटर की पढ़ाई को हटाने के विरोध में शुक्रवार को कोल्हान स्तर पर इंटरमीडिएट बचाओ संघर्ष समिति की ओर से एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में इंटरमीडिएट छात्रों को केंद्र में रखकर आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। बैठक में कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों से छात्र-छात्राएं एवं छात्र प्रतिनिधि शामिल हुए। पूर्वी सिंहभूम के छात्र प्रतिनिधि शुभम कुमार झा ने कहा कि सरकार के इस निर्णय के खिलाफ शनिवार से चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत की जाएगी। इस आंदोलन में कोल्हान के शिक्षक, बुद्धिजीवी, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और छात्र प्रतिनिधि एकजुट होकर सरकार के इस फरमान के विरोध में जोरदार आंदोलन करेंगे। बैठक में पश्चिमी सिंहभूम से छात्र प्रतिनिधि सत्येन महतो, जतिन दास, सरायकेला-खरसावां से छात्र नेता युधिष्ठिर प्रमाणिक, प्रभात महतो, विश्वेश्वर महतो और अमन सिंह उपस्थित थे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शनिवार को राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ईमेल अभियान चलाया जाएगा। इस ऑनलाइन बैठक में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों से सैकड़ों छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

### पेड़ से लटकता मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा के बड़ी बाजार स्थित लोहा पुलिया के नीचे शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव से तेज दुर्गंध उठने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डीएसपी बहामन टुटी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, शव की गर्दन पर निशान मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है। फिलहाल यह हत्या है या आत्महत्या, इसे लेकर पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन उसकी उम्र लगभग 45 वर्ष आंकी जा रही है। शव के शरीर पर सिर्फ काला रंग का पैंट था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शव की स्थिति देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह तीन से चार दिन पुराना हो सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिया के पास से तेज दुर्गंध आने पर जब वे वहां पहुंचे तो पेड़ से लटका शव दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को सदर अस्पताल, चाईबासा में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। डीएसपी बहामन टुटी ने बताया कि यदि शव की पहचान नहीं हो पाती है, तो उसे अज्ञात श्रेणी में पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। फिलहाल पुलिस क्षेत्र में लापता व्यक्तियों की रिपोर्टों की जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

### जेल में विचाराधीन कैदी की संदिग्ध स्थिति में मौत, मामला दर्ज

**JAMSHEDPUR :** पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला उपकारा में बंद एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृत कैदी की पहचान पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना अंतर्गत आसनतालिया गांव निवासी भीम गोप के रूप में हुई है। घटना गुरुवार देर रात की बताई जा रही है, जिसके बाद से जेल परिसर और प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई है। मृतक कैदी की मौत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, जिला प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

घाटशिला के कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कुमार के बयान पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राथमिकी में यह उल्लेख किया गया है कि कैदी की मौत संदिग्ध तरीके से हुई है, जिससे उसकी मौत की वजहों को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। घटना के बाद जिला प्रशासन की चिंता भी बढ़ गई है। पुलिस और जेल प्रशासन की ओर से पूरे मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

## चौका में एनएच-33 पर पेंट लदा ट्रक धू-धू कर जला, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

### देखते ही देखते खाक हुआ ट्रक, दमकल ने पाया आग पर काबू

**PHOTON NEWS SERAIKELA :** सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत चौका थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-33 पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां पेंट से लदे एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगते ही ट्रक चालक ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचा ली।

जानकारी के अनुसार, ट्रक में पेंट भरा हुआ था। जैसे ही ट्रक में आग लगी, स्थानीय लोगों ने तुरंत आसपास मौजूद पानी से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। आग इतनी तेजी से फैली कि स्थानीय लोगों के प्रयास नाकाफी साबित हुए।

सड़क पर जलता ट्रक • फोटोन न्यूज

उधर, घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, इस अग्निकांड में ट्रक पूरी तरह से जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि ड्राइवर सुरक्षित बच गया और कोई अन्य हताहत नहीं हुआ।

फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### जलजमाव बना मौत का कारण, लापरवाही की भेंट चढ़ी एक जिंदगी

**JAMSHEDPUR :** लगातार हो रही भारी बारिश के बीच मानगो इलाके में जलजमाव की समस्या एक हादसे का कारण बन गई। लापरवाही और उचित व्यवस्था के अभाव ने एक परिवार से उसका सदस्य छीन लिया। गुरुवार रात संजय वर्मा (40) की जलजमाव में डूबने से मौत हो गई। वे श्रीनाथ शेखर बिल्डिंग में गार्ड के रूप में कार्यरत थे और ड्यूटी से लौटते समय चाणक्यपुरी मार्ग से अपने घर जा रहे थे। रास्ते में बारिश का पानी जमा था, और अंधेरे में गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण वे उसमें गिरकर डूब गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला ,तब तक देर हो गई थी। उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर आजादनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया।

## जमशेदपुर में पारडीह एनएच 33 क्षतिग्रस्त, मार्ग बदला

- भारी वाहनों के लिए रूट किया गया डायवर्ट बारिश के कारण परिवहन व्यवस्था प्रभावित

**JAMSHEDPUR :** लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जमशेदपुर के पारडीह चौक के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 33 (एनएच-33) बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जलजमाव की वजह से सड़क काटनी पड़ी है। इसके चलते इस मार्ग से भारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर वैकल्पिक रूट की व्यवस्था लागू कर दी है, जो अगले आदेश या सड़क मरम्मत का कार्य पूरा होने तक प्रभावी रहेगा। अब जो लोग रांची से घाटशिला बहरागोड़ा की तरफ जाने का मन बनाए हुए हैं उन्हें कॉन्ड्रा से एनएच 33 छोड़ देना होगा।

यह लोग आदित्यपुर होते हुए टाटानगर रेलवे स्टेशन वाली रोड से हाता चौक होकर घाटशिला की ओर निकल जाएंगे। बहरागोड़ा और घाटशिला की दिशा से रांची जाने वाले वाहनों को वाहनों को अब सुरदा कॉसिंग (मऊभंडार) अंडरपास से होकर सुरदा चौक (मुसाबनी-हाता मुख्य मार्ग), फिर हाता चौक, जमशेदपुर रेलवे स्टेशन, आदित्यपुर, कदमा टोल ब्रिज या डोबो हो कर नया पुल के रास्ते रांची की ओर भेजा जा रहा है। रांची से जमशेदपुर होते हुए घाटशिला या बहरागोड़ा की ओर जाने वाले भारी वाहन अब कांड्रा से होते हुए आदित्यपुर, टाटानगर रेलवे स्टेशन, हाता चौक, सुरदा चौक और सुरदा कॉसिंग (मऊभंडार) अंडरपास के रास्ते वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

घटना के बाद खुली दुकान • फोटोन न्यूज

## दवा दुकान में लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

**CHAIBASA :** पश्चिम सिंहभूम जिला स्थित मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुलसाई, चाईबासा स्थित कमला मेडिकल में गुरुवार की रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मेडिकल संचालक डॉ. आनंद कुमार महतो के दुकान का ताला तोड़कर दराज में रखे लाखों रुपये नकद, मोबाइल फोन और चेक बुक पर हाथ साफ कर दिया। डॉ. महतो ने बताया कि गुरुवार रात भारी बारिश हो रही थी, बिजली गुल थी और इनवर्टर भी काम नहीं कर रहा था। ऐसे में वे संध्या करीब 7 बजे मेडिकल शॉप बंद कर हरिगुटू स्थित अपने आवास लौट गए थे। शुक्रवार सुबह जब वे दुकान पर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे शटर के दोनों ताले टूटे हुए मिले। अंदर जाकर देखा तो दराज से नकदी और चेक बुक गायब थे। उन्होंने तुरंत मुफस्सिल थाना को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी चंद्रशेखर ने बताया कि घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, जिससे जांच में थोड़ी मुश्किल आ रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

## आपदा में मनुष्य से लेकर पशु तक की मौत पर मिलेगा मुआवजा : डीसी

### उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की आपदा प्रबंधन समिति के साथ बैठक

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर जिला प्रशासन गंभीर है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं में मनुष्य से लेकर पशु तक की मौत पर मुआवजा का प्रावधान है और आम जनता को इसका लाभ उठाना चाहिए।

उपायुक्त चंदन कुमार ने वर्तमान मौसम को देखते हुए सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि किसी भी व्यक्ति का मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और उसके पास रहने के लिए कोई अन्य आवास उपलब्ध नहीं है, तो उसे तत्काल नजदीकी सामुदायिक भवन या अन्य सरकारी भवनों में स्थानांतरित किया जाए और इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जाए।

बारिश के मौसम में सर्पदंश के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में एंटी वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी सीएचसी में एंटी वेनम उपलब्ध नहीं है, तो उसकी सूची तत्काल जिला कार्यालय को भेजी जाए ताकि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर एंटी वेनम उपलब्ध कराया जा सके।

ऑनलाइन बैठक करते डीसी • फोटोन न्यूज

### मुआवजे के लंबित मामलों को जल्द निपटाने का निर्देश

बैठक में उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत अंचल कार्यालयों में मुआवजा से संबंधित लंबित मामलों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से जल्द से जल्द जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ताकि प्रभावित व्यक्तियों को मुआवजे की राशि मिल सके।

**वन विभाग की कार्रवाई से बस्तीवासियों में आक्रोश, 40 वर्ष से रह रहे हैं बस्तीवासी, जीवनभर की पूंजी दांव पर, उपायुक्त से मिले**

## जमशेदपुर के गोकुलनगर में 350 परिवारों को घर खाली करने का नोटिस

**PHOTON NEWS JSR :** मानगो नगर निगम के अंतर्गत गोकुलनगर में रहने वाले लगभग 350 परिवारों पर बेघर होने का खतरा मंडरा रहा है। वन विभाग द्वारा इन परिवारों को अपने मकान खाली करने का नोटिस जारी किया गया है, जिससे बस्तीवासियों में आक्रोश है। इस नोटिस के संदर्भ में शुक्रवार को जमशेदपुर पूर्वी के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें लोगों ने इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की।

ज्ञापन में बस्तीवासियों ने कहा कि वे और उनके पूर्वज पिछले 40 वर्षों से इस क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। उन्होंने अपनी वर्षों की मेहनत और जीवन भर की जमा पूंजी लगाकर यहां घर बनाए हैं और इसी से अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। गोकुलनगर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की बस्ती है, जहां ज्यादातर परिवार दिहाड़ी मजदूरी, रिक्शा चलाने, घरेलू कामकाज और छोटी-मोटी दुकानों जैसे कार्यों पर निर्भर हैं।

उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते बस्तीवासी • फोटोन न्यूज

### बिना सूचना दिए नोटिस तोड़फोड़ भी शुरू

बस्तीवासियों का आरोप है कि हाल ही में वन विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना या परामर्श के उनके घरों को तोड़ने संबंधी नोटिस जारी कर दिया है। उनका कहना है कि यह निर्णय न केवल उनके लिए पीड़ादायक है, बल्कि अमानवीय और असंवैधानिक भी प्रतीत होता है। नोटिस देने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि विभाग ने दो या चार घरों को ही नोटिस दिया है, जिनमें से एक मकान को तोड़ भी दिया गया है।

### उपायुक्त से हस्तक्षेप की गुहार

शुक्रवार को गोकुलनगर के बस्तीवासी उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांगों पर ध्यान देने का आग्रह करने आए थे। उन्होंने उपायुक्त से नोटिस की पुनः समीक्षा करने और उन्हें अपनी बात रखने का अवसर देने का निवेदन किया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि यदि किसी कारणवश विस्थापन आवश्यक हो, तो उनके पुनर्वास के लिए समुचित और ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बस्तीवासियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में एक संयुक्त बैठक आयोजित कर इस समस्या का संवेदनशीलता से समाधान निकालने की भी मांग की है।

उनका कहना है कि वन विभाग ने अचानक, बिना किसी पूर्व सूचना के बस्तीवासियों को नोटिस देना शुरू कर दिया और घर खाली करने के लिए मात्र एक हफ्ते का समय दिया है, जो कि असंभव है।

बस्तीवासियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे अपनी जान दे देंगे, लेकिन अपने घर खाली नहीं करेंगे, जहां वे पिछले 40 वर्षों से अपने परिवारों के साथ रह रहे हैं। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने बस्तीवासियों को आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को गंभीरतापूर्वक देखेंगे और जल्द ही उचित कार्रवाई करेंगे।

## चक्रधरपुर में 25 बिरहोर परिवारों में तिरपाल वितरण, बारिश में मिली राहत

तिरपाल देते फाउंडेशन के सदस्य • फोटोन न्यूज

**CHAKRADHARPUR :** बारिश के मौसम में गरीब और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सुमीता होता फाउंडेशन ने एक सराहनीय पहल की है। फाउंडेशन ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड की टेबो पंचायत के घने जंगलों में बसे कांडयोंग गांव के 25 बिरहोर परिवारों को प्लास्टिक की तिरपालें वितरित की हैं। कांडयोंग गांव में रहने वाले सभी 25 बिरहोर परिवार लकड़ी और पत्तों से बनी झोपड़ियों में अपना जीवन यापन करते हैं। बारिश के मौसम में इन परिवारों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। झोपड़ियों की छतें पत्तों से बनी होने के कारण बारिश का पानी आसानी से घरों के अंदर टपकता है, जिससे उनका जीवन कष्टमय हो जाता है। इन परिवारों की परेशानी को देखते हुए सुमीता होता फाउंडेशन के अध्यक्ष सदानंद होता और अन्य सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि फाउंडेशन की ओर से बिरहोर परिवारों को प्लास्टिक की तिरपालें प्रदान की जाएंगी।

# बैल की वैज्ञानिक खेती

**बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।**

## जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

## भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

## किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी,

पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

## प्रवर्धन

बेल के पौधें का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों

तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

## पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी

खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

## शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

## खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाई:- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

## निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

## पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ सुथरी प्रोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षों में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

## अन्त फसलें

शुरू के वर्षों में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

## फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षों में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

## भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सिसय तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

### बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियाँ तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉट:- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

#### प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

#### केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

#### प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

#### फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

#### प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

# शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

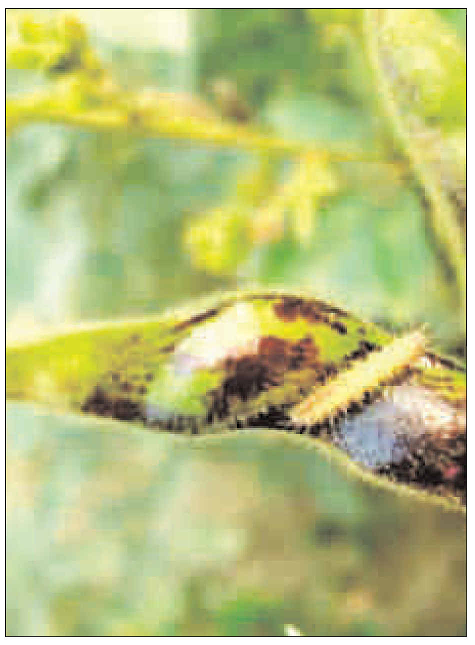

## कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों,

अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटा: वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके

काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्स: काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

## ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त

हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह

मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

## प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

## ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

## डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे

हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

## ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डों को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

## न्यूक्लिलयर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहोशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली और सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लिलयर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्र: पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और

रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

## कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

## मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

## सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

# एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य: योग से वैश्विक संतुलन की ओर

योगेश कुमार गोयल

**अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है।**

योग: *मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड* दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। इस वर्ष भारत में 'योग संगम 2025' के तहत आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और हजारों संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। अनुमान है कि इस आयोजन में 5 लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड होगा।

प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरूआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था।

हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। साल 2023 में ही लगभग 190 देशों में योग दिवस के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊजार्वान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह भारत की उस धरोहर का पुनर्जागरण है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाकर अपने तन, मन और आत्मा को संतुलन में ला रहा है। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

## संपादकीय

### खामेनेई की खरी-खरी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप को जो खरी-खरी सुनाई है, ट्रंप उसी के हकदार थे। एक तो ट्रंप इस्त्राइल और ईरान के संघर्ष में जबरदस्ती अपनी नाक घुसा रहे हैं दूसरे वह इस्त्राइल के पक्ष में ऊटपटांग बयान देकर ईरान को धमका और चिढ़ा रहे हैं। किसी भी संप्रभु राष्ट्र का नेता ऐसे हालात में वही करेगा जो खामेनेई ने किया है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने की ट्रंप की नसीहत को खारिज कर दिया और उल्टे चेतावनी दे ड़ाली कि संघर्ष में अमेरिका की किसी भी कूद-फांद से उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। हालांकि इस्त्राइल अमेरिका की मदद के बल पर ही सीनाजोर बना हुआ है। ट्रंप ने एक ही दिन पहले ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने को कहा था। इससे भी बढ़कर उन्होंने कहा था कि खामेनेई को मारने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। ये सब कौन बर्दाश्त करता। तकनीकी रूप से ईरान कितना ही कमजोर हो, लेकिन इस्त्राइल की बेजा हरकतों का मुकाबला तो वह कर ही रहा है। इसी कारण से नेतन्याहू बिलबिला रहे हैं और चाहते हैं कि अमेरिका इस युद्ध में कूद जाए। ट्रंप हैं कि रोज बयान बदलकर ही ईरान को झुका लेना चाहते हैं। ईरान को धमकाने के लिए अमेरिका ने इस क्षेत्र में कुछ और युद्धक विमान भेजे हैं। खामेनेई ने ट्रंप के धमकी भरे और बेतुके बयानों को खारिज करते हुए कहा इस तरह की धमकियां समझदारी नहीं है। सीधे अमेरिकियों को संदेश देते हुए खामेनेई ने चेताया कि अमेरिका की किसी भी सैन्य भागीदारी से क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़.जाएगा और उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। लगता है इस मामले में अलग थलग पड़े.ईरान के पक्ष में अरब देशों में एकजुटता की सुगबुगाहट होने लगी है। इसी कड़ी में इराक ने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए इस्तांबुल में होने वाले इस्लामिक सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान अरब देशों के विदेश मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का आह्वान किया है। प्रस्तावित बैठक का उद्देश्य तेजी से बदल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर अरब देशों की स्थिति में समन्वय करना और साझा जिम्मेदारी की भावना के साथ मौजूदा चुनौतियों से निपटना है। हालांकि अमेरिका की चालबाजियों को देखते हुए अरब और इस्लामिक देशों की एकजुटता बहुत दूर की कौड़ी है। युद्ध के छठे दिन ईरान और इस्त्राइल के बीच महत्त्वपूर्ण संस्थानों पर हमले का सिलसिला जारी है।

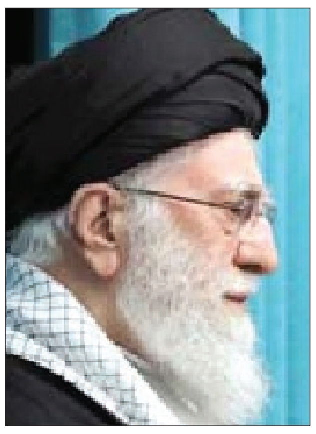

## सूक्ति

हम प्रयास के लिए उत्तरदायी हैं, न कि परिणाम के लिए।
- गीता

बुद्धि से विचारकर किए गए कर्म ही सफल होते हैं।
- महाभारत

## चिंतन-मनन

### खुद में करो भगवान के दर्शन

*यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।*
*येन भूतान्यशेषाणि द्रक्ष्यस्यात्मन्यथो मयि।।*

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

# इजराईल - ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराईल - ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत - पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुक्सान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराईल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराईल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराईल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराईल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराईल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराईल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराईल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराईल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराईल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराईल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराईल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व; ह्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराईल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

# मुद्दा : एमएसएमई की बढ़ती चुनौतियां

ड़ॉ. जयंतीलाल भंड़ारी

इन दिनों भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में एमएसएमई की चुनौतियों के बीच मौके भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार एमएसएमई की चुनौतियों को दूर करने की डगर पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार एमएसएमई से निर्यात बढ़ाने के लिए एक नई स्कीम लाने पर विचार कर रही है। खासतौर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई की अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश निर्यातक इकाइयां अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नये सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों के मद्देनजर एमएसएमई के बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी माना जा रहा हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड नये रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसद है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसद उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ खे ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। अतएव नये अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नये सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी के लोग अब नौकरी की बजाय खुद का उद्योग-व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं। ऐसे में एमएसएमएई उनके लिए महत्त्वपूर्ण विकल्प है। जरूरी है कि देश के कोने-कोने में, प्रदेशों और जिला स्तर पर एमएसएमई कानक्लेव आयोजित किए जाएं और ऐसे मंच पर एमएसएमई से जुड़े कारोबारी, उद्योग विशेषज्ञ और नीति बनाने वाले लोग एकत्रित होकर एमएसएमई के नये दौर के लिए नई पीढ़ी का जन जागरण करें। नई पीढ़ी को एमएसएमई के उत्पादों और सेवाओं से परिचित कराएं। नये ग्राहकों से मिलाएं और एमएसएमई को आगे बढ़ाने के नये तरीके सिखाएं। उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर अधिकतम उत्पादन करते हुए देश के छोटे उद्योग-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाएंगे। वर्ष 2028 तक देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनाने में एमएसएमई की भूमिका अहम होगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# An age to worry about ageing population

Most global reports on demographic patterns often glaze over issues that are of significance to large countries like India. For its flagship annual report of 2025, the United Nations Population Fund (UNFPA) conducted a survey along with YouGov of more than 14,000 men and women across 14 countries that, together, are home to more than 37 percent of the world's population. The aim was to learn about the fertility aspirations and achievements of individuals, and to understand the challenges they have experienced, if any, and the way forward. India was one of the countries studied.

Let me begin with what I believe to be India's most important demographic concerns today, which are mostly not highlighted in the UNFPA report. First, a couple of years ago, India became the world's most populous country, from being the second most populous since 1947. India's population at independence was 350 million, against China's 550 million in 1951. China's leaders invested heavily in women's education and the health of its population in the first three decades after 1949. They reaped the benefits when their country became the world's second-largest economy and a veritable superpower.Had India's policymakers understood the importance of education and health (including nutrition) for its population, especially in the Hindi belt, our population would not be expected to peak in 2065 at over 1.65 billion. It will continue exacerbating the vicious cycle of population growth, environmental degradation and poverty unless policy corrections occur faster.Second, India's demographic dividend began in the early 1980s and will end in 2040. During this time, the share of the working-age population is rising, and that of the dependent population falling, which would mean an attendant economic growth if the right economic policies create enough non-farm jobs. Thus, far from what policymakers believe, India is no more a youthful country, but is a rapidly ageing one. The working-age population will start shrinking from 2041.

The demographic dividend is a golden period when the young are getting better educated and desperately need non-farm jobs. However, in India today they are still not getting those jobs in the numbers needed.There are four dimensions to the looming jobs crisis, which our governments are not willing to recognise: the young joining the labour force each year; the currently unemployed; the youth not in education/ employment/ training and willing to work, but not looking for work, hence are 'discouraged' workers; and the millions underemployed that need to be pulled out of agriculture.Third, the first point mentioned above is tied to the fact that India's population problem has essentially been a Hindi belt problem, and is now one confined to three large northern states—Bihar (with a total fertility rate of 3), Uttar Pradesh (2.7) and Jharkhand (2.4), the only major states with TFRs above the replacement level, while India's overall TFR is 2.0.UNFPA 2025 tells us that global fertility rates have declined from an average of 5 children per woman in 1950 to 2.25 in 2024. So India, as a whole, is doing better (except for the three large states) than the world average, although it will need to do much better.

These are also the three states with the highest 'unmet need' for family planning—an indication of the failure of successive governments in these states. While the national average for unmet need is 12.9 percent (National Family Health Survey 2021), in UP it is 18.1 percent and in Bihar 21.2 percent.

# Nuke shadow looms over West Asia

## Israel's action against Iran can only be assessed as being a dangerous and reckless act of aggression that poses danger to the region and the world

ON March 26, US Director of National Intelligence Tulsi Gabbard told a House committee that the American intelligence community "continues to assess that Iran is not building a nuclear weapon and Supreme leader Khomeini (sic) has not authorised the nuclear weapons program that he suspended in 2003."Yet on June 13, Israel launched what it claims was a "pre-emptive" attack to destroy Iran's nuclear weapons capability. Israel's action can only be assessed as being a dangerous and reckless act of aggression that poses danger to the region and the world. Iran does not have the most savoury regime running it; nor does Israel, and it most certainly does not have the right to attack Iran.As he contemplates joining the war, US President Donald Trump has rudely brushed aside the US intelligence assessment and embraced the Israeli view that Iran had been very close to making a nuclear weapon when the war began.Israel's war aims are to destroy Iran's nuclear capacity and effect regime change. Neither is an easy task. Last week, in the wake of the Israeli attacks, former Prime Minister Ehud Barak told Christiane Amanpour on CNN that Israel alone cannot delay the nuclear programme of Iran by a significant time period. "Probably several weeks... a month... Even the US cannot delay them by more than a few months," he said.Current assessments are that besides destroying Iran's air defence system, Israel has severely damaged the principal nuclear enrichment facility at Natanz as well as the Isfahan Nuclear Technology Centre, while the Arak Nuclear Complex remains largely undamaged, as does the Parchin military complex which stores centrifuges and uranium. Israel has not targeted the Bushehr Nuclear Power Plant over worries of nuclear radiation leaks.Importantly, no significant damage is reported as yet to the deeply buried Fordow fuel enrichment plant, which is said to be invulnerable to conventional strikes. This facility is crucial because it can quickly enrich Iran's stock of 60 per cent enriched uranium to 90 per cent required for one weapon in a week. Iran reportedly possesses 408.6 kg of enriched uranium as of May 2025 and estimates are that this could be sufficient to make nine nuclear weapons in the coming weeks if enriched further.

Fordow would need US involvement in the form of the massive ordnance air blast bomb (MOAB) that Israel does not possess. Besides, Iran has had two decades to spread out its programme and build other deeply buried ultra-secure sites such as the one in the Pickaxe mountain south of Natanz, which is deeper and better protected than the one in Fordow.Kinetic means alone cannot destroy the Iranian programme. That would require a ground invasion. That is where the US role, which has so far been curious, comes in. The Israeli strikes came amidst US-Iran talks on building down the nuclear programme. After saying that the US would not be involved, President Trump now wants Iran to settle things on his terms — the principal demand being an "unconditional surrender" by Iran. Looking back, one wonders whether the war on Iran was always a US-Israeli venture.American involvement could widen the war and trigger Iranian missile attacks on its facilities in the Persian Gulf region in Qatar, Bahrain, UAE, Iraq and Syria, in addition to facilities in Saudi Arabia, Oman and Kuwait. A shutdown of the Strait of Hormuz, through which around 25 per cent of the world's oil is shipped, could see an escalation of oil prices beyond $100 a barrel, triggering global inflation.The US needs to weigh its options carefully. Destroying Iran's facilities and effecting regime change are one thing. Replacing it with a democratic setup quite another. Recall America's disastrous experiences in Iraq and Afghanistan that have roiled the region for the past 25 years. Having spent tens of trillions of dollars on wars in the region, the US is now on the brink of yet another, this time with a larger and better organised country.This is a fraught moment. The demand for unconditional surrender and regime change could push Iran to actually fabricate a nuclear weapon. Israel has telegraphed its intentions for so long that Iran has had sufficient time to establish other secret facilities for its military programme. A nuclear breakout could have Israel and the US resorting to nuclear weapons strikes to prevent Iranian deployment. Any use of nuclear weapons would be catastrophic for the region and the world.The primary trigger for the Iranian nuclear weapons programme has not been Israel. It was the 1980-1988 war following the invasion of the country by Iraq, an action that was aided by the US. Iraq's use of chemical weapons and missile attacks on Iranian cities found little international reaction. So from the mid-1980s, Iran began its military nuclear programme.Iran's strategy was to develop its nucear cycle — mining, processing and enriching uranium — to deter adversaries. But the fate of neighbouring Iraq following the US invasion in 2003 hardened the Iranian conviction that there would be no guarantee for its security in the absence of nuclear weapons.

The subsequent experience of North Korea only deepened this perception.Iran is a resource-rich country of over 90 million people, some two-thirds the size of India. It has a strong sense of history and nationhood. As is in the case of Iraq, the US and Israel could well succeed in wreaking a lot of destruction on the country and possibly even effecting regime change, but you can be sure that this will not be the end of the story.

# PM rebuts Trump's mediation claim, resets Canada ties

## In this uncertain world, it is not easy to forge breakthroughs propitious for peace. That credit must be given where it is due

After months of holding his silence, Prime Minister Narendra Modi played his diplomatic hand during the G7 summit in Canada to reset two matters of consequence in India's favour. First, in a telephonic conversation with Donald Trump, he set the record straight on the US president's claim of mediating peace between India and Pakistan. During the 35-minute call on Wednesday, Modi made it clear that India has never sought third-party mediation and there was no consideration of a trade deal influencing the talks with Pakistan. He said the ceasefire was agreed between the military leaderships of the two countries during talks that were held at Pakistan's behest. After listening to the points conveyed, Trump expressed support for India's fight against terror, according to a report of the conversation given by the foreign secretary.

During the call, which took place on Trump's initiative as he had to leave the summit early to attend to the Israel-Iran crisis, Modi also declined Trump's request to stop by for a one-on-one in Washington on his way back from Canada, citing prior engagements. The conversation ended with Modi inviting Trump to the Quad summit in India later this year. In his address at the G7 outreach summit, without mentioning Trump, Modi also de-hyphenated the false equivalence between the victim and the perpetrator of terror.However, ever eager to ingratiate himself as a deal-maker at global flashpoints, Trump reiterated his claim during an interaction with the media at the White House just a few hours after the call. Despite the typical Trumpian U-turn, the PM's clear stance during the conversation should give him a firm footing while facing the opposition at parliament's monsoon session.Another significant outcome of Modi's trip was the decision to end two years of diplomatic impasse between India and Canada by posting high commissioners to each other's capitals at the earliest.

Justin Trudeau's successor Mark Carney hit the reset button after talks with Modi on the sidelines of the G7 summit. It is a win for both sides as India has a large diaspora in Canada and Ottawa is struggling to stabilise an economy that is being mauled by Trump's tariffs. In this uncertain world, it is not easy to forge breakthroughs propitious for peace. That credit must be given where it is due.

# Need to go back to no-go zones during war

## Prohibition on attacking open towns and undefended places was codified in the 1907 Hague Convention. But the Second World War made civilian and culturally significant zones fair targets again. The bombing of Tehran and Tel Aviv should make the world revive the idea of non-militarised cities

As Israel seeks to flatten Tehran and Iran bombs Tel Aviv into a version of Beirut, here's a case for the revival of demilitarised 'open cities' of cultural significance.A post on the matter by G S Seda set me down the path of history-leafing and thinking about the past, present and future of demilitarised urban areas. Even as war-makers distinguish less and less between combatant and non-combatant, between logical targets and unreasonable collateral, between cultural inviolability and military vulnerability, entire conurbations have become acceptable as strike-worthy zones.

The history of war strategy deliberately levelling heritage cities is long—Timbuktu, Benin, Baghdad, Mandalay, Hiroshima, Nagasaki, Dresden, Aleppo, Afrin, Ypres, Sarajevo, Palmyra, Mostar, Narva, Magdeburg, Warsaw, Norrköping, Kyiv and London are just a few examples of cultural pulverisation in times of war.

We seem not particularly moved by entire cities blitzed by indiscriminate bombing, or historio-cultural sites of significance within cities being razed in attempts at ethnic eradication from history. We take heritage sites in the quotidian cityscape for granted, but bombs and missiles—or even rampaging soldiery—don't.Until the Second World War—when bombs were directed not by live satellite feeds or GPS, but by cartography—maps had areas of protection mapped out. Bombs were aimed for maximum damage to armaments production or arms transportation facilities, at airfields set outside urban spaces, at dams located far from cities, at shipyards, at supply lines.In 1939, when Germany invaded Poland, the mayor of Kraków declared it an open city after a Polish army division moved out. It was occupied by the German army with little fighting. In 1940, the Belgian government declared Brussels an open city, minimising destruction. Also in 1940, the French government moved to Bordeaux after declaring Paris an open city, thus saving the city's cultural sites. In 1941, the then Kingdom of Yugoslavia declared Belgrade an open city, preventing further destruction. In 1942, after the Dutch forces had left, Batavia (now Jakarta) was declared an open city, and the Japanese took it over with little destruction. In 1943, following the cessation of Allied bombing, the Italian government declared Rome an open city, halting razing even as German troops fled. In 1944, the retreating Germans declared Florence an open city, preventing rapine during the chase. Again in 1944, the harried Germans declared Athens an open city before departing. They did the same to Hamburg in 1945, leaving it preserved for the British troops to take over.But missilery brought its own dynamics of lack of human supervision. London was never declared an open city, and Hitler may never have respected that status even if it was. During the Blitz that reduced London to a smoking ruin, Hitler's V2 long-range ballistic missiles—the world's first, and named Vengeance Weapon 2 for the civilian damage it wreaked—caused carnage far above and beyond military targets. Britain, like Germany, had embedded its weapons and defence machinery among thickets of civilians, both to hide them from scrutiny and to cushion them with human flesh.The expansion of collateral-damage zones carried over exponentially into the US's post-war missile and bomb development, built by expatriated Nazi rocketeers brought into the US through Operation Paperclip. The zenith of the idea of mass obliteration of civilians was Operation Meetinghouse in March 1945, during which Tokyo was fire-stormed with incendiary bombs in what became the deadliest conventional air-bombing in WW2. (This was followed by the since-unmatched civilian slaughter of Hiroshima and Nagasaki five months later. But it might be instructive to note that more people died during the conventional bombing of Tokyo than in the nuclear bombing of Nagasaki.) By this time, war-makers had obliterated the combatant-noncombatant binary.

## CA explains how Rs 80,000 per month income can beat Rs 2 lakh

**New Delhi.** A chartered accountant and financial advisor has said that managing money isn't solely about earning, but rather about aligning finances with personal goals. Abhishek Walia, a Chartered Accountant and Founder of Zactor Tech, uses a case study from his practice to illustrate this point. "Managing money isn't about how much you earn," he writes. "It's about how well you align your money with your goals."

One example Walia shared involved a young professional earning Rs 90,000 monthly. "A few months ago, a young professional came to us," Walia recounts. "She earned Rs 90,000 a month. No side hustle. No major investments. But she had zero debt, a six-month emergency fund, and SIPs set up for her MBA dream three years down the line." Her financial strategy, though simple, was effective. This approach allowed her to focus on her long-term goals without the stress of immediate financial instability.

In contrast, Walia describes another client earning 2.5 lakh per month who faced financial instability. "She was always broke at month-end. No emergency fund. No investments. Just lifestyle upgrades, FOMO spending, and no clear direction." This highlights the importance of having a financial plan, regardless of income level. The lack of a structured approach led to a cycle of financial distress, despite a higher income.The takeaway, according to Walia, is that wealth depends on mindset more than income. "People confuse a bigger paycheck with financial success. But wealth is what you keep, not what you earn," he notes. "Without a plan, even 2 lakh a month can vanish by the 25th." This serves as a cautionary tale that underscores the necessity of financial literacy and planning.Walia identifies the issue as one of clarity, stating, "It's a clarity issue," he says. "The 90K earner knew her 'why'. The 2.5 lakh earner didn't." The statement underscores the need for clarity in financial planning. Understanding one's financial priorities can make a significant difference in achieving long-term stability.

## Sivasubramanian Ramann Takes Charge As PFRDA Chairperson: Finance Ministry

**New Delhi.** Sivasubramanian Ramann on Friday assumed charge as the Chairperson of the Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA), according to a Finance Ministry statement. He has been appointed for a tenure of five years, with effect from the date of assumption of charge of the post or till he attains the age of 65 years, or until further orders, whichever is the earliest, the statement read.Ramann served as an officer of the Indian Audit and Accounts Service (IA&AS) from the 1991 batch. Prior to joining PFRDA, he served as the Deputy Comptroller and Auditor General and Chief Technology Officer in the Office of the Comptroller and Auditor General of India.According to the ministry, he has previously held several leadership positions, including Chairman and Managing Director of the Small Industries Development Bank of India (SIDBI), Managing Director and Chief Executive Officer of National E-Governance Services Ltd. (NeSL), and Principal Accountant General of the State of Jharkhand.For period 2006 to 2013, he also served as Chief General Manager (CGM) and then as Executive Director at the Securities and Exchange Board of India (SEBI). Ramann holds a Bachelor's degree in Economics and an MBA from the University of Delhi. He also has multiple professional and academic qualifications.

"With his vast experience in public finance, technology, and financial regulation, Ramann will guide PFRDA in its objective to strengthen India's pension system and promote retirement security for all citizens," said the ministry.Meanwhile, the National Pension System (NPS) has emerged as a cornerstone of India's pension sector with an accumulated corpus of Rs 14.4 lakh crore and 8.4 crore subscribers under NPS and the Atal Pension Yojana (APY), said PFRDA chairman Deepak Mohanty during an event in April.

## Amazon India to invest over Rs 2,000 cr in 2025

**New Delhi.** Amazon India will invest over Rs 2,000 crore( $233 million) this year to enhance its pan-India operations network. On Thursday, the company announced that the investment will be used to expand and upgrade operations infrastructure, improve associate safety and well-being programs, and develop new tools and technology for its fulfillment network.Amazon plans to leverage these investments to launch new sites and upgrade existing facilities across its fulfilment, sortation and delivery network. This investment will enhance processing capacity, improve fulfillment speed, and increase efficiency across the company's operations network that will help Amazon serve customers across India faster and more reliably, the ecommerce giant said in a release.

Apart from this, the company will continue to invest and expand initiatives aimed at improving the health and financial well-being of employees and associates across the operations network. This includes expanding programs like 'Ashray' – to provide dedicated rest points for delivery associates, even those not delivering for Amazon – offering seating, water, charging stations, and washroom facilities; 'Samriddhi' - a financial well-being program focused on financial education and personal finance support for associates and drivers; 'Pratidhi' program supporting children of associates with scholarship; and 'Sushruta' to address the healthcare needs of truck drivers, the company added in the release.Recently, Amazon launched a nation-wide initiative to offer free health check-ups to over 80,000 delivery associates and partners through medical camps by the end of 2025.

# Nifty crosses 25,000, Sensex rises 710 points; all sectors see gains

**The indices opened on a positive note today, rebounding from Thursday's decline and signaling a cautious recovery.**

**CHENNAI.** Stock markets are trading strong in the mid-morning session on Friday, with the Sensex up by 710 points and the Nifty reclaiming the 25,000 level. Both the BSE Midcap and Smallcap indices have gained around 0.5%. The uptick is being driven by continued buying from foreign institutional investors (FIIs) and domestic institutional investors (DIIs), though overall momentum remains subdued amid ongoing Middle East tensions.Top gainers on the Nifty include M&M, Jio Financial, Bharti Airtel, Power Grid Corp, and Shriram Finance. Meanwhile, Bajaj Auto, Hero MotoCorp, Bajaj Finance, Wipro, and Tech Mahindra are among the top losers. All sectoral indices are in the green, with metals, PSU banks, real estate, and telecom stocks rising between 1% and 2%.

**Institutional Flows & Sector Trends:**

FIIs continued their buying streak for a third straight session on June 19, with net inflows of ?934 crore. DIIs were also net buyers, adding ?605 crore, lending support to the market.Financials led intraday gains (+0.5% to 0.8%), especially power-financing firms and state-owned banks, buoyed by the RBI's easing of infrastructure funding norms, effective October.Defensive sectors like FMCG, pharma, and IT remain in favor amid prevailing uncertainty.Market

Expectations and Analyst Forecasts:The Nifty is encountering resistance near the 25,000 mark, struggling to hold above it, with sell-offs seen at each attempt.

A Reuters poll of analysts projects the Nifty to reach 26,500 by end-2025 and 28,450 by end-2026, though a short-term correction is likely given elevated valuations. Axis Securities expects a bull-case target of 27,600 by March 2026.

Markets remainin a consolidation phase—volatile, geopolitically sensitive, and characterized by a "sell-on-rise" sentiment.Investor expect choppy trading, with sentiment closely tied to global and geopolitical developments. However, the medium-term outlook remains positive, underpinned by robust earnings, supportive policies, and sustained capital inflows. Key indicators to monitor include crude prices, rupee movement, FII activity, and RBI signals.Tensions in the Middle East—particularly Israeli strikes on Iranian nuclear sites and retaliatory actions by Iran—have heightened risk aversion, pushing up oil prices ($77–77.5/barrel), pressuring the Indian rupee, and dampening equity sentiment.The rupee has slipped to a three-month low, trading in the ?86.7–?86.9/$ band, weighed down by rising oil prices and geopolitical risk.Economists and oil sector analysts caution that persistent crude price increases could widen India's current account deficit—each $10 rise in oil prices may add approximately 0.4% to GDP pressure.

# Planning to retire at 40 Here's what it really takes

**The idea of retiring at 40 sounds almost rebellious. Stop working just when most people are hitting their career peak, and live the rest of your life on your own terms. No bosses, no Monday blues, no waiting for the weekend. But can you do it?**

**New Delhi.** For many working professionals, retiring at 60 feels like a finish line etched in stone. But in recent years, a new goal has quietly gained popularity, retiring at 40.The idea sounds almost rebellious. Stop working just when most people are hitting their career peak, and live the rest of your life on your own terms. No bosses, no Monday blues, no waiting for the weekend.But behind this new aspiration, lies a tough question: Can you really afford to stop earning at 40 and still live comfortably for the rest of your life?

IS IT POSSIBLE TO RETIRE AT 40?

Abhishek Kumar, a Sebi-registered investment adviser and founder of SahajMoney, says it is possible but highly challenging. "It depends a lot on how much of your income you save and how your investments grow over time," he says.According to him, someone who is 28 years old and aiming to retire by 40 would need to save around 79 times their current annual expenses, after adjusting for inflation. At age 40, that number may be around 35 times.

Nehal Mota, Co-Founder and CEO of Finnovate, agrees. "Yes, it is possible — but only with high discipline and intentional planning. The focus should not just be on earning more, but on

saving more," he says. He believes even those earning a middle-class salary can do it if they consistently save over 50% of their income and invest wisely.

HOW MUCH DO YOU NEED TO SAVE EVERY MONTH?

Let's take the example of someone earning Rs 1 lakh per month. Abhishek Kumar explains that a 40-year-old with Rs 50,000 in monthly expenses would need to save Rs 18,080 per month just to retire by 60. "But if the goal is to retire at 40, the monthly savings will need to be 60–70% of income or even more," he adds.Nehal Mota offers a similar view. "If someone earning Rs 83,000 a month wants to retire by 40, they should save Rs 40,000 to Rs 45,000 each month and invest through SIPs in mutual funds targeting 10–12% annual returns," he says. Over time, this could help build a corpus of Rs 2–3 crore by 40, which may generate a passive income of Rs 1–2 lakh per month depending on how the money is invested after retirement.

WHAT IS FIRE AND IS IT RELEVANT FOR INDIANS?

FIRE, or Financial Independence Retire Early, is a lifestyle movement that encourages people to save and invest aggressively with the goal of retiring decades earlier than usual. While it originated in the West, it is slowly catching on in India too.

## Largest data breach ever: 16 billion login credentials from Apple, Google, Facebook leaked

**New Delhi.** A team of cybersecurity researchers at Cybernews, led by Vilius Petkauskas, has exposed the largest data breach, leaking 16 billion login credentials, passwords, and sensitive data from major online platforms, Forbes reported.The Cybernews is one of the top cybersecurity news platform, delivering real-time updates, threat intelligence, data breach reports, expert analysis etc. The investigation team found 30 separate data dumps, each containing anywhere from tens of millions to over 3.5 billion records. In total, the team has confirmed, the number of compromised records has now hit 16 billion.According to Vilius Petkauskas, the leaked data appears to be the result of various infostealer malware attacks — malicious software designed to quietly collect usernames, passwords, and other sensitive data from infected devices.The leaked credentials reportedly include login information for social media accounts, VPNs, developer tools, and major

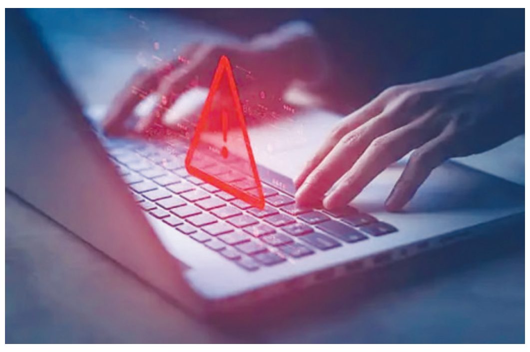

online services, including Apple, Google, Facebook, GitHub, Telegram, and even government portals.How was the data stolen?

Petkauskas told Forbes that most of the stolen info is formatted as simple URL links followed by usernames and passwords. In short, if you've ever logged into anything online, your information could be in this leak."This is not just a leak – it's a blueprint for mass exploitation. These credentials are ground zero for phishing attacks and account takeover; these aren't just old breaches being recycled," the researchers warned.Speaking to Forbes, Darren Guccione, the CEO and co-founder of Keeper Security, a privileged access management platform to prevent data breaches and mitigate cyber threats, said that consumers should invest in password management solutions and dark web monitoring tools more than ever.

"This means that cybersecurity is not just a technical challenge but a shared responsibility. People need to remain vigilant of any attempts to steal login credentials," he added.

# Digital Payments award for City Union Bank

**Chennai.** City Union Bank (CUB) has been conferred the Digital Payments Award, instituted by the Department of Financial Services, for its significant contributions to the promotion of digital payments.Dr. N. Kamakodi, Managing Director and Chief Executive Officer of City Union Bank, received the award from Union Finance Minister Nirmala Sitharaman on Wednesday, June 18. The award ceremony was held at the Plenary Hall, Vigyan Bhawan, in New Delhi.CUB secured second position among private sector banks for its overall digital payments performance during FY 2024–25.The Department of Financial Services, Ministry of Finance, organised the Digital Payments Awards to recognise innovative and outstanding initiatives by banks and

fintech companies in advancing digital payments. CUB was selected as one of the winners based on its significant efforts and impact in this domain.Founded in 1904 and headquartered in Kumbakonam, Tamil Nadu, City Union Bank is one of the oldest private sector banks in India. Celebrating 120 years of service, the bank currently operates 880 branches and around 1,767 ATMs across the country. It has consistently delivered profitability and dividends to its shareholders. As of March 31, 2025, the bank recorded a total business of ?1,16,592 crore and a net profit of ?1,124 crore for the financial year 2024–25.According to the bank, it has always been a pioneer in adopting advanced technology solutions to meet the evolving needs of its diverse customer base. Recent innovations include tap, pay & go payments through keychains and fitness watches, voice-based authentication for mobile banking login, a multilingual voice chatbot in regional languages, voice-based UPI 123Pay, end-to-end digital loan processing, and the Nap ID fraud filter layer.

# Is lifestyle inflation fuelling debt among India's middle class

**Lifestyle inflation is no longer a silent threat. It is reshaping how India's middle class earns, spends and saves. It fuels debt, shrinks buffers and puts long-term financial goals at risk.**

**New Delhi.** The paycheque is bigger, but the wallet feels thinner. Across urban India, many salaried professionals are earning more than they did five years ago, yet they're still anxious at the end of each month, juggling EMIs, credit card bills, and shrinking savings.The culprit isn't just stagnant salaries or rising costs. It's what personal finance experts call lifestyle inflation—the quiet, creeping habit of spending more as you earn more.Lifestyle inflation refers to the tendency to increase spending in line with income growth. A salary hike often triggers upgrades: a bigger house, a newer car, fancier gadgets, or more frequent eating out. But these expenses can quickly outpace actual earning power if not kept in check.

"It's a major concern," says Abhishek Kumar, SEBI-registered investment advisor and founder of SahajMoney. "Even professionals earning substantial salaries are left with limited disposable income. As their income grows, so do their expenses, often faster than the income itself."Over time, this pattern erodes financial flexibility. A higher salary that once promised upward mobility ends up funding short-term gratification and long-term liabilities.

**A SALARY HIKE, FOLLOWED BY AN EMI**

With every job switch or annual raise, many professionals slide into bigger EMIs and costlier routines. But when those income jumps are modest, the math doesn't hold. "High earners are increasingly falling into what I call the 'new middle class.' They earn well but feel stretched every month," says Kumar.Buy Now, Pay Later (BNPL) schemes, no-cost EMIs, and credit card offers make it easier than ever to overspend. "These products change behaviour. They make expensive purchases seem affordable by breaking them into smaller chunks, but the

cumulative burden strains monthly budgets," he adds.Debt often creeps in gradually until repayments consume a third or more of someone's income.

**THE WARNING SIGNS**

The red flags of lifestyle overextension often go unnoticed. "Living paycheck to paycheck despite a good salary, relying on credit for groceries or bills, dipping into savings for everyday needs—these are all warning signs," Kumar says.Frequent use of short-term loans, missing credit card due dates, and falling credit scores are also markers that someone is living beyond their means.These patterns are no longer rare. Personal loan growth among salaried urban professionals is at a record high, and delinquencies in BNPL accounts have been rising steadily.

**CHASING SOCIAL MEDIA TRENDS**

The psychological triggers behind lifestyle inflation are just as strong as the financial ones. "FOMO is real," Kumar notes. "Social media creates the impression that everyone else is doing better. That pressure pushes people to upgrade faster than they can afford."A curated life on Instagram or an aspirational reel can influence everything from vacation plans to restaurant bills. But these comparisons often come at a financial cost.

**COMPROMISED SAVINGS**

Perhaps the most damaging effect of lifestyle inflation is what it crowds out: long-term savings. "When people spend more on lifestyle, they invest less for the future. And those early years are critical for building wealth," Kumar says.

Missing out on compounding in your 20s or early 30s can delay financial goals by years. A few indulgences now might mean postponing retirement or taking on more risk later.

# On Allahabad High Court Judge's Impeachment, Congress Sends 'Reminder'

**The judge was speaking at an event organised by right-wing VHP and said, "I have no hesitation in saying that this is Hindustan...this country would function as per the wishes of majority".**

**New Delhi.** The Congress on Friday 'reminded' Rajya Sabha Chair Jagdeep Dhankhar to act on a six-month-old notice to impeach an Allahabad High Court judge accused of making communal remarks.The opposition party's nudge follows strong remarks by Rajya Sabha MP Kapil Sibal about Mr Dhankhar's lack of action in this matter. He also accused the government of trying to 'shield' the judge.

Justice Shekhar Kumar Yadav is staring down the barrel of an impeachment process after 55 MPs - five over the threshold to begin his removal - sent that notice to the House Chairperson.At least 50 Rajya Sabha MPs must sign a motion - a record of the intention to impeach - for the matter to proceed further. In the Lok Sabha that number is 100.

Once that threshold is reached, the Chair of the former or the Speaker of the latter, depending on which House first admits the motion, will decide whether or not to carry the issue forward.In this case the motion to impeach was submitted on December 13, 2024.The file has been pending since, prompting Mr Sibal's sharp words and Congress' 'reminder'.Mr Sibal, a senior advocate in the Supreme Court, pointed out swifter action had been taken in the case of Justice Yashwant Varma, the former Delhi High Court judge caught in the cash-at-home row.

Sources told the delay might be because 19-21 signatures on the motion had yet to be verified. Also, the possibility that one MP signed twice had to be ruled out, sources explained.A detailed verification of these signatures is ongoing, sources said.Mr Sibal, though, demanded to know why this process needs to take six months. "I want to ask those sitting in Constitutional posts... their responsibility is to verify if signatures are there... should that take six months? Is this government is trying to protect Shekhar Yadav," he was quoted by news agency PTI.

In January the Rajya Sabha's pending action on this matter had been challenged in the Allahabad High Court. A PIL demanded the court issue direction to the Rajya Sabha to not act on the proposed impeachment. However, the PIL was rejected because it did not constitue a public interest issue.

**What Justice Shekhar Kumar Yadav Said**

The judge was speaking at an event organised by the legal cell of right-wing Vishwa Hindu Parishad in Prayagraj on December 8, when he said, "I have no hesitation in saying that this is Hindustan... this country would function as per the wishes of the (majority)... This is the law."

# Delhi breathes easy for second day in row with AQI at 89, rain expected

**NEW DELHI.** Delhi is in the midst of a clean air spell, with the air quality remaining in the 'satisfactory' range for the second consecutive day. The city's 24-hour average AQI was recorded at 89 on Thursday, a slight rise from Wednesday's 81, but still the cleanest stretch in over eight months. The improved air came on the back of consistent pre-monsoon showers and gusty winds, which helped disperse pollutants.

Wednesday's AQI was the cleanest air Delhi has recorded since September 29 last year, breaking a 261-day streak of poor to moderate conditions. With monsoon onset expected soon, experts anticipate further improvement if wet spells continue through the weekend. Meanwhile, Delhi reeled under muggy weather on Thursday as humidity levels soared to 87%, leading to an increase in 'feels like' temperature, amid generally cloudy skies and no rainfall.According to the India Meteorological Department (IMD), maximum temperatures in the capital rose appreciably over the last 24 hours, with Safdarjung recording 36.4 degrees celsius, a 2.2 degrees celsius increase from the previous day, while minimum temperatures also climbed to 27.2 degrees celsius, up by 3 degrees celsius. Despite the rise, temperatures remained below or near normal for this time of the year, as the maximum was 2.4 degrees celsius below the seasonal average of 38.8 degrees celsius. No rainfall was recorded at most stations in the national capital region till 5:30 pm.

# Man disguises as woman to find work under MNERGA scheme in Karnataka's Bagalkote: Here's what happened

**New Delhi.** In a bizarre incident reported from Karnataka's Bagalkote district, a man disguised himself as a woman to fraudulently claim work meant exclusively for women under the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA). The incident has raised serious concerns about the implementation of the scheme especially at the grassroots level.

The fraud came to light in Siddanakolla village's Ilkal taluk, where a man, who posed as "Mangalamma Ari", a woman, wore a saree to appear as female worker in official photos, to claim work under block plantation projects in the area.

**Duplication exposed**

The man's same photograph was reused across multiple Anganwadi construction sites in both Ilkal and Hunagunda taluks, using different names for the same person.The blatant duplication, officials say, violates scheme norms which mandate the use of local labourers for each panchayat jurisdiction.

According to reports, as many as 23 Anganwadi building projects are ongoing in Hunagunda taluk, jointly funded by MGNREGA and the Woman and Child Welfare Department. Each project received arounds Rs 32 lakh, including Rs 8 lakh from MGNREGA.Same photographs uploaded multiple times

The evidence suggests that the same group of workers was listed under different projects and the same photographs were uploaded multiple times.

When questioned, local panchayat officials played the blame game. Praveen Kanchi, PDO of Binjawadgi Gram Panchayat, claimed that the Panchayat Raj Department handled the construction and requested a list of labourers from them. Even officials from the taluk panchayat and engineers of the Panchayat Raj Department admitted to oversight due to work pressure but promised a thorough inquiry.

# Scooty for Rs 1 lakh, VIP number for Rs 14 lakh; Himachal man wins online auction

**The online auction was attended by only two participants, with one bidder from Baddi in Solan district offering Rs 13.5 lakh. However, Sanjeev Kumar outbid him to clinch the number at Rs 14 lakh.**

**New Delhi.** A resident of Himachal Pradesh has made headlines by purchasing a VIP vehicle registration number for Rs 14 lakh for his scooty which is valued at just Rs 1 lakh. Sanjeev Kumar from Hamirpur secured the coveted number plate HP21C-0001 through an online auction conducted by the Himachal Pradesh Transport Department.The online auction was attended by only two participants, with one bidder from Baddi in Solan district offering Rs 13.5 lakh. However, Sanjeev Kumar outbid him to clinch the number at Rs 14 lakh.

The entire amount has been deposited into the state government's treasury, providing revenue without any additional expenditure. According to transport officials, this may be the most expensive registration number ever issued for a two-wheeler in the state.

Sanjeev Kumar shared that he has a passion to collect special and unique numbers. He bought the VIP number for his brand-new scooter. "There's no price tag on passion. When you want something extraordinary, you don't look at the cost," he said.

Sanjeev's son, Dinesh Kumar, confirmed that the VIP number was acquired purely out of personal interest. "We applied for the number online. Another individual was also in the race, but we were allotted the number through the bidding process," he said.The incident has sparked widespread discussion online and offline. While many are surprised by the extravagant purchase, others see it as a reflection of evolving lifestyles and the transparency of the digital auction process.

# How New Rs 3,000 FASTag Annual Pass Will Help You Save More

**New Delhi.** If you are a frequent traveller or love your road trips, you're in for big savings on toll charges with the introduction of the annual FASTag. Union Minister for Road Transport and Highways Nitin Gadkari on Wednesday announced the new plan for private vehicles.The annual pass will be effective from August 15 and cost Rs 3,000, as compared to the earlier Rs 10,000.

The plan is designed specifically for non-commercial vehicles, including cars, jeeps and vans, and is valid for either 200 journeys or for one year from the date of activation, whichever is earlier.According to the ministry, the cost per trip under the scheme will be reduced to Rs 15 from Rs 50. This way, people who travel regularly can save up to Rs 7,000 annually.

Here's how much you can save with the new FASTag annual plans.

1. Delhi to Chandigarh route

Travelling from Delhi to Chandigarh, a private vehicle is charged toll at Murthal, Panipat, Gharaunda and Ambala. If the one-way toll is around Rs 405, the round trip costs approximately Rs 810.

If you are travelling twice a month, the monthly charges will be approximately Rs 1,620, and the annual cost adds up to Rs 19,440. With the new FASTag annual plan, you just have to pay Rs 3,000 for a year for unlimited travel on this route and save over Rs 16,000.

2. Delhi to Jaipur

There are four tolls -- Ghamroj, Hilalpur, Bhandarraj and Rajadhok - - between Delhi and Jaipur. The one-way toll tax is around Rs 322, so the round trip costs approximately Rs 644. And if you're travelling twice a month, the monthly charges are approximately Rs 1,288, making the annual cost Rs 15,456.With the FASTag annual plan, you pay just Rs 3,000 for a year of unlimited travel on this route and can save over Rs 12,000.

# In Honeymoon Murder Case, Cops Write To Instagram Over Vlogger's

**New Delhi.** The Meghalaya police have written to social media platform Instagram seeking details on the vlogger who posted two videos showing the Raghuvanshis and the three killers climbing a hill in the state on May 23 - just hours before Raja's murder. According to the police, they contacted him initially to record his statement, but received no response."We reached out to him and have written to Instagram to provide us with details. We've only contacted him so far, but he hasn't responded. We've now officially requested Instagram's assistance so that his statement can also be recorded," East Khasi Hills Superintendent of Police, Vivek Syiem, said.

The tourist, Dev Singh, posted the first video on May 16 in which Sonam was leading the way up the hill, with Raja following her. She was seen wearing a white t-shirt - which was found by the Meghalaya police near the crime scene. She was also carrying a polythene bag, which reportedly had a raincoat inside.

Yesterday, I was checking videos and I found a recording of the Indore couple. It was around 9:45 am when we were going down, and the couple was going up. I think this was the last recording of the couple, and Sonam was wearing the same white t-shirt, which was found near Raja. I hope this will also help Meghalaya police in connecting the dots," Mr Singh wrote on Instagram.

He added, "Every time I watched Raja in the video, I felt very bad about him. He was looking normal but unaware of what would be waiting for him."Another video, posted a day later, shows the three killers - Anand Kurmi, Akash Rajput, and Vishal Chauhan - following the Raghuvanshis.

Sources familiar with the sequence of events leading to the grisly murder on May 23 said the newlywed couple had checked out of a hotel at around 5.30 am and set out on a trek in Cherrapunji half an hour later.

# DU admission form triggers outrage for listing 'Muslim' as language category

**NEW DELHI.** Delhi University's undergraduate admission form sparked widespread outrage on Thursday after discrepancies were found in its "Mother Tongue" section. "Muslim" appeared as a supposed language among the listed language options—an inaccurate categorisation that has left many baffled.

What has amplified the anger is the absence of Urdu, a language recognised under the Eighth Schedule of the Constitution and commonly associated with cultural and literary heritage, especially among North Indian Muslims.

The DU is yet to issue an official statement.Abha Dev Habib, DTF general secretary, said, "This is not just a clerical error. It reflects a deep-rooted communal mindset that reduces an entire community to a religious label, stripping away linguistic, cultural and regional identities. Muslim is not a language. Muslims speak the same languages as others in their regions, be it Hindi, Punjabi, Bengali, Malayalam, Tamil, or Urdu."

Dr Mithuraaj Dhusiya, Executive Council member, said, "It is sad that a premier university like Delhi University is committing such mistakes. These should be rectified immediately. Diversities and multilingualism need to be acknowledged and respected."

Social media platforms were abuzz with screenshots of the form, with students and teachers demanding an immediate correction and apology.

Other DU professors said omitting Urdu, the mother tongue of millions, is not just a linguistic oversight but a political statement.

# International Yoga Day: Indian embassy hosts Yoga session at Lincoln Memorial

**The Indian Embassy in Washington, D.C. organised a large-scale yoga session at the Lincoln Memorial, ahead of International Yoga Day on 21 June. The event attracted many participants, including members of the Indian diaspora and local residents. Acharya Govind Brahmachari led the session, highlighting yogas holistic benefits for physical and mental well-being, and its role in promoting global peace and environmental harmony.**

**New Delhi.** Ahead of International Yoga Day, the Indian Embassy in Washington, D.C., organised a vibrant yoga session at the iconic Lincoln Memorial. The event, which aimed to promote the physical and mental health benefits of yoga, attracted a diverse and enthusiastic crowd, including members of the Indian diaspora and residents.Acharya Govind Brahmachari, a respected yoga and meditation instructor, guided participants through a series of asanas and meditation practices. In his address, Brahmachari underscored yoga's holistic approach to well-being, emphasising its capacity to alleviate stress, anxiety, and depression. He also highlighted its positive impact on children, improving attention span and focus. Beyond the physical postures, Brahmachari discussed the deeper philosophical aspects of yoga, its connection to meditation, and its ultimate goal of achieving oneness with the universe.

The event's success reflects the growing global popularity of yoga and its increasing recognition as a valuable tool for promoting both individual and collective well-being. The choice of the Lincoln Memorial as the venue underscored the event's significance and its aspiration to reach a wide audience. The Embassy's initiative is also in line with the current global focus on "One Earth, One Health", showcasing yoga's potential contribution to international peace and environmental sustainability.

The large turnout demonstrated the widespread appeal of yoga and its ability to connect people across cultural backgrounds. The event served as a powerful reminder of yoga's capacity to bring people together, promoting a sense of community and shared purpose.

NEWS BOX

## China sends scores of planes across central line in Taiwan Strait

**TAIPEI.** China sent 74 warplanes toward Taiwan between late Thursday and early Friday, 61 of which crossed the central line in the Taiwan Strait that unofficially divides the sides, an unusually large number as tensions remained heightened in the region.It wasn't clear why so many planes were scrambled between late Thursday and early Friday, as tabulated by Taiwan's Defense Ministry. The planes were sent in two separate tranches, it added.

China considers Taiwan its own territory and uses such deployments to advertise its threat to encircle and possibly invade the self-governing island. China also hopes to intimidate Taiwan's population of 23 million and wear down its equipment and the morale of its armed forces.On Thursday, Taiwan's Ministry of Foreign Affairs "confirmed and welcomed" the transit of the British Royal Navy's off-shore patrol craft HMS Spey through the Taiwan Strait a day earlier. The ship's transit, the ministry said, "once again (reaffirmed the Strait's) status as international waters.""Such transits by the U.K. and other like-minded countries are encouraged to safeguard peace and stability in the Taiwan Strait, and to promote a free and open Indo-Pacific," the Foreign Ministry said.Britain's representative office in Taipei said in a statement that the Spey had conducted a navigation of the Taiwan Strait in accordance with international law and rights provided under the United Nations Convention on the Law of the Sea.Wherever the Royal Navy operates, it does so in full compliance with international law and exercises its right to Freedom of Navigation and overflight," the statement added.China responded angrily, saying the Eastern Theater Command of the People's Liberation Army "organized troops to monitor and guard the entire process and effectively responded and dealt with it."

## How Israel Is Targetting Key Iranian Nuclear Scientists

**Atlanta.**At least 14 nuclear scientists are believed to be among those killed in Israel's Operation Rising Lion, launched on June 13, 2025, ostensibly to destroy or degrade Iran's nuclear program and military capabilities.Deliberately targeting scientists in this way aims to disrupt Iran's knowledge base and continuity in nuclear expertise. Among those assassinated were Mohammad Mehdi Tehranchi, a theoretical physicist and head of Iran's Islamic Azad University, and Fereydoun Abbasi-Davani, a nuclear engineer who led Iran's Atomic Energy Organization.

Collectively, these experts in physics and engineering were potential successors to Mohsen Fakhrizadeh, widely regarded as the architect of the Iranian nuclear program, who was assassinated in a November 2020 attack many blame on Israel.As two political scientists writing a book about state targeting of scientists as a counterproliferation tool, we understand well that nuclear scientists have been targeted since the nuclear age began. We have gathered data on nearly 100 instances of what we call "scientist targeting" from 1944 through 2025.The most recent assassination campaign against Iranian scientists is different from many of the earlier episodes in a few key ways. Israel's recent attack targeted multiple nuclear experts and took place simultaneously with military force to destroy Iran's nuclear facilities, air defenses and energy infrastructure. Also, unlike previous covert operations, Israel immediately claimed responsibility for the assassinations.But our research indicates that targeting scientists may not be effective for counterproliferation. While removing individual expertise may delay nuclear acquisition, targeting alone is unlikely to destroy a program outright and could even increase a country's desire for nuclear weapons. Further, targeting scientists may trigger blowback given concerns regarding legality and morality.

## Which Countries Use Nuclear Power Without Developing Nuclear Weapons

**world.** Nuclear power and nuclear weapons might be rooted in the same technology, but not all nations pursue both. Many have nuclear energy programmes but have opted out of the weapon race. These nations exemplify how atomic technology can be used peacefully, even amid geopolitical tensions.

Here's a closer look at some of the countries that use nuclear power but have not developed nuclear weapons.

**Japan**

Japan, the only nation to suffer wartime atomic bombings (Hiroshima and Nagasaki, 1945), adopted a non-nuclear stance, guided by its 'Three Non-Nuclear Principles — no possession, production or hosting of nuclear weapons. The country upholds the peaceful use of nuclear energy to address its energy security needs.

**South Korea**

South Korea dropped its nuclear weapons plans in the 1970s under US pressure and reaffirmed its commitment with the 1992 Denuclearization Declaration. Today, while nearly 29% of South Korea's electricity comes from nuclear power, it remains committed to peaceful use.

**Germany**

Germany does not possess nuclear weapons but participates in NATO's nuclear sharing arrangement by hosting US nuclear arms on its soil. While it once relied on nuclear power, the country has undergone a major energy shift. On April 15, 2023, Germany permanently shut down its last three nuclear power plants, marking a complete exit from nuclear energy.

**Australia**

Australia holds the world's largest known uranium reserves — nearly a third of the global total — and has mined the resource since 1954. Yet it operates no nuclear power plants and has not developed nuclear weapons.

# What is 'bunker buster' The US bomb that could reshape Israel-Iran conflict

**Measuring 6.6m in length and equipped with a hardened steel casing and specialised delayed-fuse system, the 30,000-pound GBU-57 is capable of penetrating up to 200ft through rock or concrete before exploding.**

**world.** As Israel's confrontation with Iran escalates, the American-made GBU-57 'bunker buster' bomb has drawn renewed attention as the only weapon capable of striking Iran's deeply buried nuclear sites, raising questions over whether US President Donald Trump will authorise its use as he mulls over military intervention.While Israel has already targeted multiple nuclear-related sites and struck key military positions, Fordo — Iran's heavily fortified underground uranium enrichment plant — remains untouched.Its depth and construction make it nearly impossible to destroy without outside help, raising questions about whether the United States might intervene more directly by deploying its bunker-busting bomb.

**What is the 'bunker buster'?**

The "bunker buster" broadly refers to bombs designed to penetrate deep underground before detonating.In this case, it specifically refers to the GBU-57A/B Massive Ordnance Penetrator, a 30,000-pound (13,600 kg) precision-guided bomb designed to destroy deeply buried bunkers and tunnels, according to the US Air Force.

Measuring 6.6 metres in length and equipped with a hardened steel casing and specialised delayed-fuse system, the GBU-57 is

capable of penetrating up to 200 feet (61 meters) through rock or concrete before exploding — much deeper than standard munitions."It's not going to immediately explode under that much shock and pressure," said Masao Dahlgren, a missile defense fellow at the Center for Strategic and International Studies (CSIS). "These weapons need to be designed with thick, hardened casings to punch through layers of rock."The US began designing the bomb in the early 2000s, and Boeing was awarded an order for 20 units in 2009.

**How is the bomb deployed?**

The only aircraft capable of deploying the GBU-57 is the US B-2 Spirit stealth bomber, produced by Northrop Grumman.

While theoretically any aircraft with sufficient capacity could deliver it, only the B-2 has been configured and tested for the task. With a range of 7,000 miles (11,000 km) without refueling — and over 11,500 miles (18,500 km) with aerial refueling — the B-2 can reach targets worldwide.The B-2 can carry two GBU-57 bombs, and according to Former US Army Lt. Gen. and RAND researcher Mark Schwartz, multiple strikes would likely be required. "They're not going to just be one and done," he said.Earlier in May, B-2 bombers were spotted at Diego Garcia, a strategic UK-US military base in the Indian Ocean, though they had reportedly left the area by mid-June, according to AFP analysis of satellite imagery.

# Paris makes clean water bet for River Seine bathers

**Parisians and tourists will be able to dive into the river from July 5, weather permitting, according to authorities.**

**Paris (France).** A year on from athletes competing in the River Seine during the 2024 Paris Summer Olympics, French authorities guarantee the water will be safe for the public to swim in this summer.Parisians and tourists will be able to dive into the river from July 5, weather permitting, according to authorities.The public will be able to access three bathing sites at bras Marie in the heart of the historic centre, the Grenelle district in the west of Paris, as well as Bercy in the east.

Last year, water treatment stations, holding tanks and connections to the Parisian boat sanitation system were installed."For the Games, we cleaned up three quarters of the Seine. And the water was 100 percent ready for bathing on dry days," said Marc Guillaume, the prefect for the Ile-de-France region that includes Paris.According to Guillaume, the top state-appointed official for the region, the new bathing zones will be popular.

This year, the weather is predicted to be drier than the record rainfall during the Games, which had led to the cancellation of six of the eleven competitions held the river."It was an extraordinary moment (in 2024), but swimming during the Games was not an end in itself," Paris Mayor Anne Hidalgo had told reporters in May.

"Making the Seine swimmable is first and foremost a response to the objective of adapting to climate change, but also of quality of life," she added.

Last year, Hidalgo dove into the Seine in front of journalists from around the world before the Games began.

The historic swim signalled the end of years of efforts to clean the Seine and the river which flows into it, the Marne.

Work had started in the 1990s, with an initial investment of more than nine billion euros (10.4 billion dollars) from the greater Paris sanitation authorities.

Following initial efforts, the "bathing plan" leading up to the 2024 Paris Games was launched in 2016. The French state and local authorities had invested another 1.4 billion euros (1.6 billion dollars).The plan was focused on preventing the city's waste waters from flowing into the Seine.The mid-19th century Parisian sewage system often overflows on rainy days, causing rain and waste waters to pour into the river.

# 10 years after Europe's migration crisis, the fallout reverberates in Greece and beyond

**LESBOS.** Fleeing Iran with her husband and toddler, Amena Namjoyan reached a rocky beach of this eastern Greek island along with hundreds of thousands of others. For months, their arrival overwhelmed Lesbos. Boats fell apart, fishermen dove to save people from drowning, and local grandmothers bottle-fed newly arrived babies.

Namjoyan spent months in an overcrowded camp. She learned Greek. She struggled with illness and depression as her marriage collapsed. She tried to make a fresh start in Germany but eventually returned to Lesbos, the island that first embraced her.Today, she works at a restaurant, preparing Iranian dishes that locals devour, even if they struggle to pronounce the names. Her second child tells her, "'I'm Greek.'"

"Greece is close to my culture, and I feel good here," Namjoyan said. "I am proud of myself."

In 2015, more than 1 million migrants and refugees arrived in Europe — the majority by sea, landing in Lesbos, where the north shore is just 10 kilometers (6 miles) from Turkey.The influx of men, women and children fleeing war and poverty sparked a humanitarian crisis that shook the European Union to its core. A decade later, the fallout still reverberates on the island and beyond.For many, Greece was a place of transit. They continued on to northern and western Europe. Many who applied for asylum were granted international protection; thousands became European citizens.Countless more were rejected, languishing for years in migrant camps or living in the streets. Some returned to their home countries. Others were kicked out of the European Union.For Namjoyan, Lesbos is a welcoming place — many islanders share a refugee ancestry, and it helps that she speaks their language. But migration policy in Greece, like much of Europe, has shifted toward deterrence in the decade since the crisis.

Far fewer people are arriving illegally. Officials and politicians have maintained that strong borders are needed. Critics say enforcement has gone too far and violates fundamental EU rights and values."Migration is now at the top of the political agenda, which it didn't use to be before 2015," said Camille Le Coz Director of the Migration Policy Institute Europe, noting changing EU alliances.

# Israel and Iran launch strikes a week into their war as new diplomatic effort takes shape

**TEL AVIV.** Israel and Iran exchanged strikes a week into their war Friday as President Donald Trump weighed US military involvement and new diplomatic efforts appeared to be underway.Trump has been weighing whether to attack Iran by striking its well-defended Fordo uranium enrichment facility, which is buried under a mountain and widely considered to be out of reach of all but America's "bunker-buster" bombs.He said he'll decide within two weeks whether the US military will get directly involved in the war given the "substantial chance" for renewed negotiations over Tehran's nuclear program.Iran's Foreign Minister Abbas Araghchi appeared headed to Geneva for meetings with the European Union's top diplomat and counterparts from the United Kingdom, France and Germany.A plane with his usual call sign took off from the Turkish city of Van, near the Iranian border, flight-tracking data from

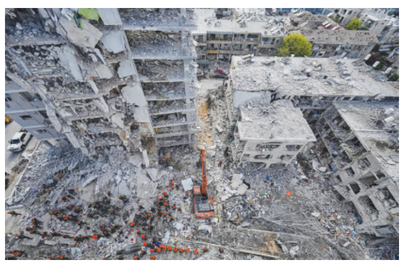

FlightRadar24 showed. Iran typically acknowledges his departure hours afterward.Britain's foreign secretary said he met at the White House with US Secretary of State Marco Rubio and envoy Steve Witkoff to discuss the potential for a deal that could cool the conflict.Israel said it conducted airstrikes into Friday morning in Iran with more than 60 aircraft hitting what it said were industrial sites to manufacture missiles. It did not elaborate on the locations. It also said it hit the headquarters of Iran's Organization of Defensive Innovation and Research, known by its acronym in Farsi, SPND.The US in the past has linked that agency to alleged Iranian research and testing tied to the possible development of nuclear explosive devices.Israeli airstrikes reached into the city of Rasht on the Caspian Sea early Friday, Iranian media reported. The Israeli military had warned the public to flee the area around Rasht's Industrial City, southwest of the city's downtown. But with Iran's internet shut off to the outside world, it's unclear just how many people could see the message.

In Israel, a paramedic service said missiles struck a residential area in southern Israel causing damage to buildings, including one six-story building. They have provided medical treatment to five people with minor injuries such as bruises, smoke inhalation, and anxiety, it said.

This comes a day after at least 80 patients and medical workers were wounded in a strike on the Soroka Medical Center in the southern city of Beersheba.

# Israel wants him dead. Can Iran's supreme leader survive his greatest crisis yet

**Ayatollah Khamenei faces a stark choice: escalate against Israel and risk severe damage, or pursue diplomacy to avoid US involvement, possibly at the cost of Iran's nuclear ambitions.**

**world.** Iran's supreme leader, Ayatollah Ali Khamenei, who crushed internal threats repeatedly during more than three decades in power, now faces his greatest challenge yet.His archenemy, Israel, has secured free rein over Iran's skies and is decimating the country's military leadership and nuclear program with its punishing air campaign. It is also threatening his life: Israeli Defense Minister Israel Katz said Khamenei "cannot continue to exist."The 86-year-old leader faces a choice. He could escalate Iran's retaliation against Israel and risk even heavier damage from Israeli bombardment. Or he could seek a diplomatic solution that keeps the US out of the conflict, and risk having to give up the nuclear program he has put at the center of Iranian policy for years.In a video address on Wednesday, he sounded defiant, vowing "the Iranian nation is not one to surrender" and warning that if the US steps in, it will bring "irreparable damage to them."When he rose to power in 1989, Khamenei had to overcome deep doubts about his authority as he succeeded the leader of the Islamic Revolution, Ayatollah Ruhollah Khomeini. A low-level cleric at the time, Khamenei didn't have his predecessor's religious credentials. With his thick glasses and plodding style, he didn't have his fiery charisma either.But Khamenei has ruled three times longer than the late Khomeini and has shaped Iran's Islamic Republic perhaps even more dramatically. He entrenched the system of rule by the "mullahs," or Shiite Muslim clerics. That secured his place in the eyes of hardliners as the unquestionable authority — below only that of God.At the same time, Khamenei

built the paramilitary Revolutionary Guard into the dominant force in Iran's military and internal politics. The Guard boasts Iran's most elite military and oversees its ballistic missile program.Its international arm, the Quds Force, pieced together the "Axis of Resistance," the collection of pro-Iranian proxies stretching from Yemen to Lebanon that for years gave Iran considerable power across the region.Khamenei also gave the Guard a free hand to build a network of businesses allowing it to dominate Iran's economy. In return, the Guard became his loyal shock force.He fended off domestic challengesThe first major threat to Khamenei's grip was the reform movement that swept into a parliament majority and the presidency soon after he became supreme leader. The movement advocated for giving greater power to elected officials – something Khamenei's hardline supporters feared would lead to dismantling the Islamic Republic system.

Khamenei stymied the reformists by rallying the clerical establishment. Unelected bodies run by the mullahs succeeded in shutting down major reforms and barring reform candidates from running in elections.

The Revolutionary Guard and Iran's other security agencies crushed waves of protests that followed the failure of the reform movement. Huge nationwide protests erupted in 2009 over allegations of vote-rigging.Under the weight of sanctions, economic protests broke out in 2017 and 2019. More nationwide protests broke out in 2022 over the death of Mahsa Amini after police detained her for not wearing her mandatory headscarf properly.

NEWS BOX

## Life has come full circle: Karun Nair ready for Test comeback in England series

**New Delhi.** Karun Nair is set to experience a full-circle moment as he prepares to return to Test cricket after eight long years, with a likely appearance in the upcoming series against England.After making his debut in 2016, following which he made his mark with a whopping 300 in Chennai, Nair was unable to get an extended run in the side, with his last Test being played against Australia at Dharamsala in 2017.Having delivered consistent performances on the domestic circuit, and with the recent retirements of Test stalwarts Rohit Sharma and Virat Kohli, Nair has climbed the pecking order and now looks poised to feature in the playing XI.In an interview with the Board of Control for Cricket in India (BCCI), Nair spoke about his determination to make a comeback. He admitted to being desperate to return to the national side and said he had done everything within his power to turn that ambition into reality."My first thought when I woke up was that I wanted to play Test cricket. I want to play for India again. That's probably what kept me going and kept me hungry. The driving force go to training every day, go to

practise every day. I had a goal of wanting to play Test cricket again, and I was always looking at playing test cricket, and every day, every morning, I used to wake up thinking, what I should do to achieve that goal," Nair shared.

SENSE OF BELONGING IN THE INDIAN TEAM

Named in India's squad for the Test tour of England, the 32-year-old expressed his joy and relief at earning a recall. He said he now feels confident about belonging at the highest level and is thrilled to be back in the Indian dressing room."Feeling honoured to wear this jersey and honoured to be representing my country. When I saw everyone for the first time, that's when I felt that I was finally in the team. Till then, it was like a wait for me to kind of start feeling like I'd made it again. It's been a few years," he commented.He mentioned how it was a full-circle moment in his career, considering that he was part of the squad for the 2018 tour but did not get a game. Now he makes his return to where he left and is looking to enjoy his time in whites.

# Sai Sudharsan or Abhimanyu Easwaran: Ex-cricketers back experience over potential

- Fenerbahce demand investigation of the Turkish disciplinary authority
- Jose Mourinho was allegedly targetted by the Turkish FA
- Mourinho has been critical of the Turkish referees in the league

**Noida.** India's vice-captain Rishabh Pant has already clarified the batting order for himself and captain Shubman Gill. However, one major question remains: who will occupy the crucial No. 3 spot?Over the years, stalwarts like Cheteshwar Pujara and Rahul Dravid have defined what it means to bat at No. 3- anchoring the innings, facing a bulk of deliveries, blunting the new ball, and laying the foundation for the middle order to flourish.In the current squad, the contenders for that role appear to be the experienced Abhimanyu Easwaran and the in-form youngster Sai Sudharsan.The 23-year-old Sudharsan, a stylish left-hander from Tamil Nadu, is coming off a stellar IPL season, where he won the orange cap (most runs) while Easwaran has remained on the fringes-often away from the domestic scene due to regular stints with India A and periodic call-ups to the senior side.Several former cricketers believe it's time India backed experience over promise and handed Easwaran a long-awaited opportunity. Among them is former India batter Mohammed Kaif, who voiced his support on X (formerly Twitter), stating that Easwaran's consistent run in first-class cricket deserves recognition at the highest level.Kaif also expressed disappointment over the exclusion of Sarfaraz Khan, despite his impressive performances in practice matches. He urged the selectors not to repeat the same mistake with Easwaran, emphasising the importance of rewarding sustained domestic excellence.

Abhimanyu Easwaran deserves to be in the playing XI before Sai Sudharshan. Easwaran's 27 first-class hundreds, almost 8k FC runs, need to be respected.

By dropping Sarfraz, someone who scored runs for India A in England, the selectors made a mistake. They shouldn't repeat it by keeping Easwaran out of the Leeds Test," Kaif highlighted.Meanwhile, former cricketer-turned-coach WV Raman offered a different perspective. Instead of batting at No. 3, he believes the Bengal veteran should be slotted at the very top of the order.Like Kaif, Raman expressed frustration over Easwaran's limited opportunities and feels that the current situation presents the ideal chance for him to finally make his mark in Test cricket."Let's not forget that Easwaran has been getting runs much higher than him over a long period. We have had Easwaran as a part of the squad. We are not playing him. And that is again creating a lot of dilemmas when the next selection comes up. We will have to try and reward him fully in the sense that there is no point picking him in the squad," Raman said in an interview with the Times of India."There is a vacant slot at the top of the order. And here you have, on the other hand, you have a player who has been opening right through his life, who has got runs almost every season. And then you pick him in the squad. When there is an opening slot which is vacant, you don't use him. I think we need to first answer that particular bit," he added.

## CPL 2025: Trinbago Knight Riders appoint Dwayne Bravo as new head coach

- Dwayne Bravo named head coach of TKR for Caribbean Premier League 2025
- Bravo played 107 CPL matches and helped TKR win four titles
- Phil Simmons leaves TKR to coach Bangladesh men's national team

**New Delhi.** Trinbago Knight Riders (TKR) have appointed Dwayne Bravo as their head coach for the 2025 edition of the Caribbean Premier League (CPL), ushering in a new era for the most successful franchise in tournament history. Bravo replaces Phil Simmons, who has taken up the role of head coach of the Bangladesh men's national team.A CPL stalwart, Bravo's association with the tournament stretches back to its inception in 2013. He played 107 matches across 11 seasons, finishing with 129 wickets at an economy rate of 8.74. Nine of those seasons were spent with TKR, a franchise he helped to four titles, and a fifth with St Kitts and Nevis Patriots in 2021—his lone season away, which also saw him lead the side to their maiden crown."It's an honour to be given the opportunity to be head coach of TKR, a team that's very close to my heart," Bravo said in a post on social media. "I would like to personally thank Coach Phil Simmons for his time and commitment over the last few years, and now I look forward to this new challenge for me and my staff."This appointment continues Bravo's growing coaching portfolio. Last year, he was named head coach of the Abu Dhabi Knight Riders in the ILT20, another team owned by the Knight Riders group. He also served as a mentor for the Kolkata Knight Riders in the 2025 IPL and had stints as a bowling consultant with Chennai Super Kings in 2023 and 2024, following his retirement from playing in the IPL in 2022.

## No Karun Nair: Ajinkya Rahane's big call in India playing XI for England Test

Ajinkya Rahane, the experienced middle-order batter who has been out of favour for quite some time, offered an interesting take on what India's playing XI should look like for the first Test against England at Headingley, starting Friday, June 20. Notably, Rahane left out in-form domestic star Karun Nair and instead picked Dhruv Jurel in his XI.Speaking on his YouTube channel, Rahane shared his thoughts based on his international experience. Rishabh Pant, India's newly appointed vice-captain, had already confirmed during the pre-match press conference that skipper Shubman Gill would bat at number four, with Pant himself following at number five. That leaves a question mark over the number three and number six spots.Given Karun Nair's stron domestic season and his recent double-hundred during the practice match, many expected him to feature in one of those middle-order positions.Nair has been through the grind since being dropped from the side in 2018, consistently performing in both first-class and List A cricket. He scored 863 runs in the recent Ranji Trophy season and followed it up with 779 runs in the Vijay Hazare Trophy.

RAHANE BACKS SUDHARSAN TO BAT AT NO: 3

Rahane believes that the young and swashbuckling talent, Sai Sudharsan, deserves a chance at the number three spot. He backed Sudharsan's inclusion based on his Indian Premier League season and his recent domestic performances as well.

"I think so. Yes, he has been in very good form in T20 cricket as well as red-ball cricket. Whatever domestic matches he has played, he's done really well for his side and his technique looks really composed and calm whenever he is batting at the crease, so I think he should be given a chance to bat at number three.All eyes will be on the screen as the Shubman Gill era officially begins. Fans and experts alike will be eager to see how the playing XI shapes up - and whether Karun Nair manages to make the cut.

## OTD: Rahul Dravid, Virat Kohli and Sourav Ganguly make Test debuts for India

**New Delhi.** June 20 holds a special place in Indian cricket history, marking the Test debuts of three players who would go on to become giants of the game — Sourav Ganguly, Rahul Dravid and Virat Kohli. Though they started in different years and under varying circumstances, each of them left a lasting impact on Indian cricket.In 1996, India were on tour in England and arrived at Lord's for the second Test of the series. With the team undergoing changes, Ganguly and Dravid were handed their Test caps. What followed became the stuff of legend. Ganguly, batting at No. 3, scored a majestic 131 on debut, announcing himself in style at the Home of Cricket. His cover drives and confidence under pressure stood out instantly.At the other end, Dravid, who came in at No. 7, compiled a solid 95 before falling just short of a debut century. While Ganguly's innings was more flamboyant, David's knock was marked by grit and classical technique — qualities that would define his career. That Test marked the start of two outstanding journeys, with both players becoming the backbone of India's middle order for years to come.Fifteen years later, on the same date in 2011, a young Virat Kohli made his Test debut against the West Indies at Sabina Park in Kingston. Fresh off India's

World Cup triumph earlier that year, expectations were high. However, Kohli endured a difficult start, scoring 4 and 15 in his two innings. The challenge of red-ball cricket proved a steep learning curve.Despite that modest beginning, Kohli quickly adapted to the demands of the format. He went on to become one of India's most prolific Test batsmen and a successful captain, leading the side to memorable victories both at home and abroad. Kohli retired as India's most successful Test captain. The former skipper amassed an impressive 9,230 runs from 123 Tests at an average of 46.85, including 30 centuries and 31 half-centuries. He made his Test debut in 2011 against the West Indies and played his final match earlier this year against Australia at the Sydney Cricket Ground.

## Women's Asian Cup qualifiers moved to Qatar amid Israel-Iran war

- The Football Association of Singapore (FAS) said separately that the move was due to the "ongoing situation in the region and logistical concerns raised by" the participating teams.

**KUALA LUMPUR.** Women's Asian Cup qualifiers originally starting next week in Jordan have been moved to Qatar because of the "ongoing situation" in the Middle East, football officials said Friday.Tensions have escalated in the region after Israel and Iran intensified air strikes against each other, with the conflict risking the involvement of the United States.The Asian Football Confederation (AFC) said that matches in qualifying Group A scheduled June 23-July 5 in the Jordanian capital Amman have been moved to Qatar and will now take place July 7-19."More details on the venue and match timings will be confirmed in due course," the AFC said in a statement.Jordan, Singapore, Iran, Lebanon and Bhutan are in Group A qualifying for the Women's Asian Cup in Australia in March 2026.The Football Association of Singapore (FAS) said separately that the move was due to the "ongoing situation in the region and logistical concerns raised by" the participating teams.There are eight qualifying groups with the winner of each booking a spot at the 2026 showpiece.

Hosts Australia, South Korea, Japan and holders China are already sure of their places.

## Paris Diamond League: After breaking 90m jinx, Neeraj Chopra eyes first win in 2025

- Neeraj broke the 90-metre barrier at Doha Diamond League this year
- Neeraj returns to Paris for a Diamond League meeting after eight years
- Five out of the eight competitors have a personal best above 90 metres

**New Delhi.** "Not just for me, but at least for Indians, the burden has been reduced." These were the words of Neeraj Chopra when he was finally able to break the 90-metre mark at the Doha Diamond League in May this year. It was a dragon that Neeraj had been chasing for quite some time after starting his journey in 2018. He came close a few times but was never really able to get over the line. But finally, at the Suheim bin Hamad Stadium, Neeraj was able to hit 90.23 m and get the monkey off his back.However, that wasn't enough for him to get the win on the day as Germany's Julian Weber was able to produce a throw of 91.06 m with his final throw in Doha and claim the top step of the podium. Now, in a stacked card that includes some big names, the 27-year-old will look to go again, with a first title win in mind.This will be the first time in eight years that Neeraj will compete in a Diamond League event in Paris. He had skipped the event last year to focus on the Paris Olympics, where he finished with a silver medal. The last time he took part was as a junior world champion, and he finished fifth with the best throw of 84.67 m. Since then, the legend of Neeraj has grown, adding an Olympic gold and silver to his name.

**NEERAJ IN 2025**

Neeraj started his year by winning the Potch Invitational Meet in Potchefstroom, South Africa, in April with a modest throw of 84.52 m. His first Diamond League appearance was in Doha, where he broke the 90-metre jinx and finished second behind Weber. The German upstaged Neeraj once again at the Janusz Kusocinski Memorial in Poland last month with a throw of 86.12 m.

The coaching changes he made after the end of last season have worked wonders for Neeraj as Jan Zelezny, the world record holder in javelin, has given him a new perspective to things. Now, the aim is to get that first title in the bag, especially with the Neeraj Chopra Classic in India just a few weeks away.

**STACKED FIELD IN PARIS**

However, the Indian star will have his work cut out. The Indian ace will be up against Weber once again, who will form a formidable lineup that will contain the likes of Andersen Peters, Julius Yego and Keshorn Walcott. In fact, out of the eight participants, five have a personal best above 90 metres.Peters achieved the mar in 2022 and has the best personal throw (93.07 m) amongst the eight participants. He also took part in the Doha Diamond League and the Janusz Kusocinski Memorial in Poland and finished in the third spot.The Paris Diamond League organisers were happy with the star cast for the event and expect Neeraj to be the main attraction of the evening."Few meetings can boast a field of five javelin throwers over 90m. Foremost amongst them is Tokyo Olympic champion and Paris silver medallist Neeraj Chopra of India, who is as powerful as he is consistent," the Paris DL organisers stated in a promotional release for the event.

# Avneet Kaur

## Is Vibing To Ranjheya Ve Like No One Is Watching

Avneet Kaur has emerged as a social media sensation primarily for her fashion-forward style and dance performances. She often shares content related to her life, fashion and entertainment on Instagram. Known for carrying bold and risque looks, the diva recently grabbed attention with her elegance in a traditional embroidered mustard suit. Needless to say, she looked gorgeous.In a video shared on Instagram, Avneet is seen vibing to the romantic Punjabi track, Ranjheya Ve, from singer duo Zain and Zohaib. She kept her hair open and let them cascade down her shoulders and accessorised her look with long oxidised earrings and a bindi. Above all, her adorable smile mesmerised the audience. She captioned the post , writing, "Song."

Fans and admirers were quick to share their reactions to the video. An Instagram user wrote, "Looking so pretty." Another person said, "So apsara coded." One of them shared, "Khoobsurat."Recently, Avneet Kaur made headlines after she met Hollywood star Tom Cruise during the premiere of Mission: Impossible- The Final Reckoning in London. Not only did she meet the actor and interact with him, but also receive a lovely compliment from him.

Taking to Instagram, the actress shared a video of herself interacting with the Hollywood heartthrob, which sent the fans into a frenzy. The clip begins with Avneet asking Tom, "How are you?" to which he replies, "Great! Very nice to see you." He then complimented her outfit, and said, "Beautiful dress! So elegant, so elegant."

Furthermore, Tom Cruise held her hand as she walked ahead. Avneet then congratulated him and said, "Congratulations on the amazing premiere, well deserved. Amazing," He replied, "Thank you." Sharing the clip, Avneet wrote in the caption, "Tom, the gentleman that you are."

On the work front, Avneet Kaur made her Bollywood debut with the 2014 action thriller film Mardaani, where she played the role of Meera, the niece of Rani Mukerji's character. However, she gained widespread recognition after her appearance in the lead role in Tiku Weds Sheru, alongside Nawazuddin Siddiqui. The film was directed by Sai Kabir and produced by Kangana Ranaut. She will be next seen in the film Love In Vietnam opposite Shantanu Maheshwari.

# Rukmini Vasanth

## Shares New Photo, Fans Believe She Is Joining Jr NTR's Next

Rukmini Vasanth has sparked a fresh wave of speculation among fans with her latest social media post. Fans believe that she is hinting at a potential collaboration with Telugu superstar Jr NTR. While there has been no official confirmation, her caption has left fans buzzing with excitement.Taking to her Instagram handle, Rukmini shared a photo which immediately went viral. Her caption read, "Tiger Tiger Burning Light." Fans immediately reacted saying that she is the next leading lady of Jr NTR's next upcoming film. However, makers are yet to confirm it. Jr NTR and Prashanth Neel are collaborating for their next film which is said to be period drama. It is also rumoured that it might get a new title soon.

According to the latest development, the makers of the film are planning to drop the title Dragon and are actively looking for a new one. The reason? A Tamil film with a similar name was released earlier this year which was also dubbed into Telugu. To avoid legal complications, the team decided to seek a new title for the upcoming film.

According to a report by Pinkvilla, the title Dragon is already registered which prevents the production house from reusing the title within a short period. The entertainment portal also quoted a source as saying, "The issue stems from the fact that Dragon is already a registered title with a 2025-released Tamil film, which restricts the production team from locking it officially. Moreover, the Tamil film titled 'Dragon' was also dubbed in Telugu. To avoid legal complications and fan confusion, especially in the Telugu-speaking market, the makers are taking no chances."

Directed by Prashanth Neel, the upcoming film is creating a lot of buzz online. With names like Jr NTR, Prashanth Neel and Mythri Movie Makers associated with the project, expectations are rising high, with fans eagerly awaiting the title announcement, followed by glimpses.Last year, in an interview for the production house Hombale Films, Prashanth Neel revealed that his upcoming film with Jr NTR will be a period drama.

## Naga Chaitanya Smiles As Sobhita Dhulipala Enjoys Dosa At Akhil Akkineni's Wedding Bash

Recently, Nagarjuna's son Akhil Akkineni got married in an intimate ceremony. The wedding photos were later released and went viral, too. However, now a video from the wedding bash is going around. Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala were spotted sharing a heartwarming moment at the post-wedding feast, and fans can't stop gushing over the chemistry.

A video, shared by a caterer, has gone viral. The video starts with the preparation of all the delicacies and how they are being served at the wedding. From crispy dosas, fresh idlis and more treats are being prepared for the wedding guests. What grabbed attention was Sobhita gorging on food with the rest of the guests and doting husband Chaitanya Akkineni is smiling watching her.

Recently, Akhil Akkineni, the younger son of actors Nagarjuna and Amala Akkineni, has tied the knot with artist and businesswoman Zainab Ravdjee in an intimate ceremony in Hyderabad. The couple exchanged vows in a traditional Telugu wedding held in the early hours of Friday, surrounded by close friends and family.

Dressed in a soft yellow sherwani, Chaitanya looked elegant for the occasion, while Sobhita turned heads in a cream saree paired with a contrasting full-sleeved red blouse. In his caption, Chaitanya wrote, "Congrats to the newlyweds, welcome to the family dear Zainab, @akkineniakhil." Sobhita shared the same image, adding, "Welcome to the family dear Z Congratulations to the newlyweds."Chaitanya was last seen in, Thandel. During the film's trailer launch event in Vizag, he also talked about his wife, actress Sobhita Dhulipala, who also hails from the city. "Vizag is so close to my heart that I fell in love with a Vizag girl and married her. Now, there's a piece of Vizag in my home too. Even in my household, the ruling party is Vizag. So, brothers, I have a small request—Thandel should rock Vizag's box office; otherwise, I'll lose my honour at home. Please!" he said.

## Samantha Ruth Prabhu's Rumoured BF Raj Nidimoru's Ex-Wife Drops Cryptic Note: 'Best To Remain Silent'

As speculations about Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru's rumoured relationship continue to create a stir on social media, the director's former wife, Shhyamali De's, recent Instagram Story has caught everyone's attention. Shhyamali De took to her Instagram Story to share a post about remaining silent and letting destiny take action.

The post read, "Whatever is destined not to happen will not happen, try hard as you may. Whatever is destined to happen will happen, do what you may to prevent it. This is certain. The best course, therefore, is to remain silent." While Shhyamali often takes to Instagram to share quotes, they have particularly caught everyone's attention since Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru's dating buzz caught momentum.

While she hasn't named anyone directly in any of her posts, the timing of her messages has fans and followers wondering if they're linked to the ongoing buzz. Though subtle, the quotes have been interpreted by many as a possible reaction to the reports of Samantha and Raj spending more time together. The speculation intensified after Samantha shared photos from a recent trip, one of which showed her resting her head on Raj's shoulder during a flight.

**Is Raj Nidimoru Dating Samantha Ruth Prabhu?**

While there is no confirmation on whether Raj is now dating Samantha, the actress' recent Instagram post has caused a frenzy online. In one image, Samantha is seen posing alongside Raj Nidimoru and the rest of the Subham team in front of the film's banner. But it was the second photo, a cosy in-flight selfie with Samantha resting her head on Raj's shoulder, that really got fans talking. While neither of them has confirmed the nature of their relationship, the affectionate snap has led many to wonder if Samantha is subtly making things official.As for Raj and Shhyamali, according to reports, they tied the knot in 2015 but separated in 2022. Shhyamali De is a psychology graduate and has worked as an assistant director with Rakeysh Omprakash Mehra and Vishal Bhardwaj. She is also a scriptwriter and has worked as a creative consultant for films like Rang De Basanti, Omkara, and Ek Nodir Golpo.